RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानंद जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:223 ता. 23 फरवरी 2024, शुक्रवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

भारत अगले 10 वर्षों में छह से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से बढ़ेगा : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विश्वास जताया कि भारत अगले 10 वर्षों में लगातार छह से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से बढ़ना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू तथा वैश्विक बाजारों का लाभ उठाने के लिए वैश्विक कंपनियों को देश में आमंत्रित किया जा रहा है। रेल, संचार एवं आईटी मंत्री वैष्णव ने कहा कि भारत दुनिया और नए विचारों के लिए खुला है। उन्होंने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी दर से लगातार बढ़ रही है। अगले 10 वर्षों में भारत लगातार छह से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से बढ़ता रहेगाज मैं बेहद विश्वास के साथ यह कह सकता हूं। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने प्रधानमंत्री मोदी नीत सरकार द्वारा लाई गई विभिन्न विकास पहलों को रेखांकित करते हुए कहा कि इसके लिए आधारशिलाएं पहले से ही मौजूद हैं और अब परिणाम दिखाई दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगले पांच साल भारत के 2047 तक एक विकसित देश बनने की नींव रखेगा।

चालक को हार्ट अटैक आया बेकाबू बोलेरो शोभायात्रा में घुसी, दो की मौत

जयपुर । राजस्थान के नागौर स्थित डेगाना में विश्वकर्मा जयंती के दौरान बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल एक बेकाबू बोलेरो शोभायात्रा में घुस गई जिससे करीब 1 दर्जन लोगों को कुचल दिया जिसमें से 2 की मौत हुई है और बाकी घायलों को अजमेर रेफर किया गया है। बताया जा रहा हैं कि बाजार में शोभा यात्रा निकल रही थी तब इस दौरान काफी भीड़ थी जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थे। दरअसल बोलेरो चालक को हार्ट अटैक आ गया जिसके बाद उसका गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रहा है और बोलेरो लोगों को कुचलती हुई आगे निकल गई। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कैसे बोलेरो भीड़ में घुसती है और लोगों को कुचलती हुई आगे निकल जाती है। वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि बोलेरो चालक पहले शोभायात्रा के पीछे धीरे-धीरे चल रहा था, लेकिन अचानक से बोलेरो गाड़ी की स्पीड बढ़ जाती है और लोगों को कुचलते हुए आगे बढ़ जाती है। इसके बाद यहां अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। दरअसल बोलेरो चालक को हार्ट टैक आ गया था जिसके बाद ड्राइवर बेहोश हो गया और गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा।

अमरेली में सड़क पर घूमता दिखा बब्बर शेर

अमरेली । गुजरात के अमरेली जिले में स्थित सावरकुंडला में बब्बर शेर सड़कों पर घूमता दिखाई दिया। बब्बर शेर को सड़कों पर घूमता देख पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सड़क पर घूम रहे शेर को कुछ लोगों ने मोबाइल से वीडियो बना लिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, यह मामला सावरकुंडला के नेसडी रोड का है। यहां सड़कों पर बब्बर शेर घूमता दिखाई दिया। लोगों का कहना है कि शेर शिकार की तलाश में सावरकुंडला शहर के पास तक आ गया था। शेर को नेस्टी रोड गौशाला के पास देखा गया। गौशाला के पास लोगों ने शेर को घूमते हुए मोबाइल के कैमरे में कैद कर लिया। यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसके पहले भी अमरेली जिले में इसी तरह की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। यहां धारी गिर इलाके में करीब 10 शेर बीच सड़क पर आ गए थे, जिसका वीडियो सामने आया था। इस दौरान दोनों तरफ से ट्रैफिक जाम हो गया था। सड़क पर शेर अपनी मस्ती में थे, उसी बीच वहां से एक ऑटो रिक्शा निकला, जब शेर अपनी जगह से हिले थे। इसके बाद उन्हें किसी तरह जंगल की ओर भगाया गया था।

दलितों की बस्तियों में राम का उल्लेख कम, योजनाओं का जिक्र ज्यादा करेगी भाजपा

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने अपने लोकसभा चुनाव की प्रचार नीति में बदलाव किया है सारे देश के भाजपा नेताओं को संदेश भेजा गया है, कि लोकसभा चुनाव के लिए वह जब दलित और गरीबों की बस्तियों में जाएं। वहां पर केंद्र की योजनाओं पर ज्यादा से ज्यादा फोकस करें। उन्हीं के बारे में दलित और गरीबों के साथ चर्चा करें।राम और राम मंदिर का उल्लेख कम करें। 25 फरवरी से 100 दिन का जनसंपर्क अभियान शुरू होने जा रहा है।इस अभियान में केंद्रीय योजनाओं के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करने की बात कही गई है। केंद्रीय योजनाओं के कारण ही गरीब और दलित लाभार्थी हैं। अतः सारा ध्यान इन्ही पर दिया जाना चाहिए। भाजपा ने प्रचार अभियान के लिए जो रूपरेखा तैयार की है। उसे कई भागों में बांटा गया है। उत्तर प्रदेश बिहार मध्य प्रदेश राजस्थान पश्चिम बंगाल पंजाब हरियाणा तेलंगना कर्नाटक तमिलनाडु और महाराष्ट्र मैं दलित समुदाय के बीच अलग-अलग तरीके से प्रचार किया जाएगा। जिनको केंद्रीय योजनाओं का लाभ मिला है। उसकी सूची भी भाजपा कार्यकर्ताओं को उपलब्ध कराई जाएगी। सूची के आधार पर भाजपा कार्यकर्ता घर-घर पहुंचेंगे, और उन्हें क्या-क्या लाभ मिला है।इसकी जानकारी देंगे। उल्लेखनीय है, उत्तर प्रदेश में 20 फ़ीसदी दलित हैं।पश्चिम बंगाल में 10 फ़ीसदी दलित हैं।बिहार एवं तमिलनाडु राज्य में भी 8 से 10 फ़ीसदी दलित हैं।

दुनिया भर के लोकप्रिय नेताओं की सूची में मोदी फिर सबसे ऊपर

रेटिंग एजेंसी ने वैश्विक नेताओं की लोकप्रियता को आंकड़ों में किया तब्दील

नई दिल्ली । (एजेंसी)

एक रेटिंग एजेंसी के आंकड़ों में पीएम नरेंद्र मोदी एक बार फिर से विश्व के सभी शीर्ष नेताओं की फेहे रिस्त में सबसे ऊपर हैं। इस तरह से पीएम मोदी लोकप्रियता के मामले में पहले पायदान पर आ गए हैं। पश्चिमी देशों के नेता भी इस बात को मान रहे हैं कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का कोई जोड़ नहीं है। वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक सबल और सफल नेता के रूप में उभरकर सामने आए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जारी इस आंकड़े ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पीएम मोदी की लोकप्रियता में आज भी कोई कमी नहीं आई है। बता दें कि मॉर्निंग कंसल्ट पॉलिटिकल इंटेलिजेंस सर्वे ने विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेताओं की सूची जारी की है। इसमें विश्व के सभी लोकप्रिय नेताओं के बारे में आंकड़ों सहित जानकारी दी गई है। इस सूची में पीएम नरेंद्र मोदी शीर्ष पर काबिज हैं। हालांकि, यह पहली दफा नहीं है कि जब पीएम मोदी ने शीर्ष पर अपनी जगह बनाई है, इससे पहले भी पीएम मोदी लोकप्रियता के मामले में दुनिया के नेताओं के बीच शिखर पर रहे चुके हैं।

इस रेटिंग एजेंसी ने वैश्विक नेताओं की लोकप्रियता को आंकड़ों में तब्दील करके लोगों के बीच पेश किया है। जिसमें पीएम मोदी को 77 प्रतिशत लोकप्रियता के साथ शीर्ष पर दिखाया गया है। वहीं, मैक्सिको के प्रधानमंत्री एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रादोर की लोकप्रियता 64 फीसद नजर आ रही है। स्विट्जरलैंड के संघीय गृह मामलों के विभाग के प्रमुख एलेन बर्सेट को 57 फीसद, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के हिस्से में 50 फीसद लोकप्रियता आई है। जबकि ब्राजील के प्रधानमंत्री लुइज़ इंसियो लूला दा सिल्वा के हिस्से में 47 फीसद लोकप्रियता आई है। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज इसके बाद सूची में 45 फीसद लोकप्रियता के साथ काबिज हैं। वहीं इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी ने वैश्विक मंच पर 44 फीसद की लोकप्रियता हासिल की है। इसके बाद स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज का नंबर है, जिनको 38 फीसद और यूएस के राष्ट्रपति जो बाइडेन को सूची में 37 फीसद लोकप्रिय बताया गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को लेकर सूची में 35 फीसद लोकप्रियता का आंकड़ा दिख रहा है। जबकि स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन 33 फीसद, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक 27 फीसद, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो 24 फीसद और साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक-योल को लोकप्रियता के मामले में 20 फीसद शीर्ष हासिल हुआ है।

राजनीतिः नोएडा के किसानों ने 23 फरवरी को 'दिल्ली कूच' का कार्यक्रम किया स्थगित

नोएडा। (एजेंसी)

भारतीय किसान परिषद, अखिल भारतीय किसान सभा और जय जवान जय किसान मोर्चा ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए शुक्रवार को 'दिल्ली कूच' का ऐलान किया था, जिसे स्थगति कर दिया गया है। किसानों की मांग थी कि एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया जाए, जो उनकी समस्याओं का समाधान करे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को ही निर्देश दिए थे कि एक हाई लेवल कमेटी गठित कर दी जाए। इसके बाद गुरुवार को किसानों ने 23 फरवरी के 'दिल्ली कूच' को स्थगित करने का फैसला लिया। गौतमबुद्ध नगर की कमिश्नर, डीएम और प्राधिकार के तीनों सीईओ ने 13 फरवरी को कहा था कि एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर समस्याओं का समाधान होगा। जिसके बाद किसानों ने 18 फरवरी तक समय दिया था। लेकिन, तब तक कोई सामाधान नहीं हुआ था। इसके बाद पुलिस-प्रशासन के आग्रह पर किसानों ने तीन दिन का और समय दिया था। किसान संगठनों ने यह भी कहा था कि यदि इसके बाद समाधान नहीं होता तो संयुक्त मोर्चा 23 फरवरी को 'दिल्ली कूच' करेगा। किसान संगठनों ने बताया कि उन्हें पता चला है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर लिया है। इसे लेकर गुरुवार को एक बार फिर कमिश्नर मुख्यालय सूरजपुर में संयुक्त किसान मोर्चा की मीटिंग हुई। इस बैठक में पुलिस कमिश्नर, डीएम, जॉइंट कमिश्नर, डीसीपी, एडिशनल डीसीपी और एसीपी मौजूद थे। इस मीटिंग में शासन-प्रशासन के आग्रह और उच्च स्तरीय कमेटी बनने के बाद संयुक्त मोर्चा ने ऐलान किया कि शुक्रवार का 'दिल्ली कूच' स्थगित किया जाता है।

वार्ता के जरिए ही किसानों की समस्या का समाधान होगा : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि वार्ता के जरिए ही किसानों की समस्या का समाधान होगा। उन्होंनें कहा कि केंद्र सरकार किसानों से बात करने के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि वार्ता के जरिए ही किसानों की समस्या का समाधान होना है। किसान देश के अन्नदाता हैं। उन्होंने कहा कि हम किसानों से बात करने के लिए पहले भी तैयार थे। अब भी तैयार हैं और भविष्य में भी तैयार रहेंगे। किसानों से वार्ता करने में हमें कोई दिक्कत नहीं है। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि उर्वरकों की कीमत में तेजी के बावजूद हमने अपने देश के किसानों को संतुलित कीमत पर उर्वरक उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त किया। हमने ऐसी व्यवस्था विकसित की है कि किसान भाइयों को ऊंची कीमतों पर उर्वरक न खरीदना पड़े। सरकार की ओर से किसानों को इस दिशा में 3 लाख रुपए सब्सिडी भी दी गई।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों को सहूलियतें प्रदान करने के लिए तीन सालों तक लगातार काम किया और उन्हें नैनो यूरिया भी उपलब्ध कराया। जबकि यूपीए सरकार के 10 सालों के शासनकाल में 5.50 लाख रुपए एमएसपी पर खर्च किए गए, वहीं मोदी सरकार ने किसानों को 18 लाख 39 हजार रुपए आवंटित किए हैं जो बड़ी राशि है।

अर्जुन मुंडा ने दिलाया बातचीत से समस्या का समाधान निकालने का भरोसा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

किसान आंदोलन को देखते हुए संरकार गंभीर है। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने किसानों से बातचीत के जरिए समस्या का हल ढूंढने भरोसा दिलाया है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार किसानों से बातचीत कर रही है और कई दौर की बातचीत में कुछ मांगों पर सहमति भी बनती दिखाई दे रही है। इस दौरान सरकार की तरफ से केंद्रीय कृषि मंत्री किसानों से अपील भी करते दिखाई दे रहे हैं कि सभी मुद्दों का हल बातचीत से ही निकलेगा। गुरुवार को केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने पत्रकारों से कहा कि पंजाब में किसान संगठनों के साथ कई दौर की सार्थक बातचीत हुई है। हम वार्ता से समाधान निकालेंगे। सरकार किसानों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, हम फिर से बात कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह देश हम सब का है और हर समस्या का हल निकाला जा सकता है। किसानों के दो दिन तक दिल्ली कूच को स्थगित करने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारी कई दौर की वार्ता हुई है और सार्थक भी रही है। कई मुद्दे और कई मांगें ऐसी हैं, जिन पर और कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के लिए प्रतिबद्ध है और हर साल 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपए सीधे किसानों के खाते में पहुंचा रही हैं। यह किसानों के सम्मान और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए होता है।

कृषि मंत्री ने कहा की पीएम नरेंद्र मोदी के शासनकाल में 333 मिलियन टन तक हमारा अनाज उत्पादन बढ़ा है। इसके साथ ही सब्जियों की खेती समेत अन्य क्षेत्रों में लगातार विकास हुआ है और बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि खादी उद्योग भी किसानों से जुड़ा है। उसका भी टर्नओवर 1 लाख 35 हजार करोड रुपए हो गया है।

ईडी ने सोमवार को पेश होने केजरीवाल को भेजा 7वां समन

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में केजरीवाल को सोमवार हो` जिर होने कहा है। बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उसके समक्ष पेश होने के लिए ईडी ने सातवां समन जारी किया है। इस संबंध में सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल को 26 फरवरी को वित्तीय जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले, सोमवार को केजरीवाल कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में ईडी के छठे समन पर भी उपस्थित नहीं हुए। आप सूत्रों के मुताबिक समन असंवैधानिक था और फिलहाल ईडी के सामने पेश होने की वैधता अदालत में जांच के दायरे में है। दिलचस्प बात यह है कि ईडी ने इस मामले को खुद अदालत में लाने की पहल की है। लगातार समन जारी करने की बजाय उसे अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए जिससे उचित कानूनी प्रक्रिया शुरू हो सके। बता दें कि इससे पहले, ईडी ने 31 जनवरी को केजरीवाल को समन जारी किया था और 2 फरवरी को उसके सामने पेश होने को कहा था। यह आप संयोजक को जारी किया गया पांचवां समन था।

बता दें कि केजरीवाल के पांचवें समन को नजरअंदाज करने के बाद ईडी कोर्ट गई। हालों कि वित्तीय जांच एजेंसी की शिकायत में आरोप लगाया गया कि केजरीवाल जानबूझकर समन का पालन नहीं करना चाहते थे और बचकाना बहाने बना रहे हैं। एजेंसी ने कहा कि अगर उनके जैसे उच्च पदस्थ सार्वजनिक पदाधिकारी ने कानून की अवज्ञा की, तो यह आम लोगों के लिए एक गलत उदाहरण स्थापित होगा। दरअसल दिल्ली की नई आबकारी नीति 2021-22 को बनाने और उसके क्रियान्वयन में घोटाले के आरोपों के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 20 जुलाई, 2022 को मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। आरोप है कि आबकारी नीति के निर्माण के चरण के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया और अन्य अज्ञात और अनाम निजी व्यक्तियों/संस्थाओं सहित आप नेताओं द्वारा एक आपराधिक साजिश रची गई थी और साउथ लॉबी के शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाया गया।

पश्चिमी देशों के लिए संकटमोचक बना भारत, डूबती अर्थव्यवस्था को बचाया

रुस के तेल को शोधन कर इन देशों को बेचा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

यूरोप के एक शोध संस्थान ने दावा किया है कि भारत ने पिछले 13 महीनों में जी-सात के नेतृत्व वाले गठबंधन देशों को जो पेट्रोलियम निर्यात किया है उसमें एक-तिहाई हिस्सा रूस से आयातित कच्चे तेल के शोधन का रहा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इन देशों ने रूस से कच्चे तेल के आयात पर कई तरह की बंदिशें लगा दी थीं। दिसंबर, 2022 में इन देशों ने रूसी कच्चे तेल के आयात का कीमत दायरा भी तय कर दिया था। लेकिन रूस से अन्य देशों में आयात कच्चे तेल को शोधित कर पश्चिमी देशों को निर्यात करने पर किसी तरह की रोक नहीं लगाई गई थी। भारत ने बीते दो वर्षों में रूस से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात किया है। किफायती दरों पर रूसी कच्चा तेल मिलने से भारत को अपना आयात बिल भी कम करने में मदद मिली है। एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत रूस से आयातित कच्चे तेल को शोधित कर जी-सात के देशों और यूरोपीय संघ एवं ऑस्ट्रेलिया को निर्यात कर रहा है।

रिपोर्ट में कहा, तेल मूल्य की सीमा लगने के बाद के 13 माह में रूसी कच्चे तेल से शोधित पेट्रोलियम उत्पादों के भारतीय निर्यात में इन देशों का हिस्सा एक-तिहाई रहा है। इन देशों को भारत ने 6.65 अरब डॉलर का निर्यात रूसी तेल की मदद से किया है। दावा है कि इस निर्यात में एक बड़ा हिस्सा जामनगर स्थित रिलायंस रिफाइनरी का रहा है। भारत ने रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने वाले देशों को ये उत्पाद भेजने के लिए 3.04 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल रूस से आयात किया था। यूरोप द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने के बाद अगर भारत की ओर से उन्हें पेट्रोलियम प्रोडक्ट न पहुंचाया गया होता तब जाहिर तौर पर वहां बड़े स्तर पर ऊर्जा संकट देखने को मिलता। इसके बाद भारत ने पेट्रोलियम प्रोडक्ट यूरोप को देकर वहां घरों में चिराग जलाने का काम किया।

चीन के हैकर ग्रुप ने की पीएमओ, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और एयर इंडिया के डाटा में सेंधमारी

मीडिया रिपोर्ट में किया गया दावा

नई दिल्ली। चीन के एक हैकर ग्रुप ने पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और एयर इंडिया जैसे बिजनेस सहित भारत सरकार के प्रमुख कार्यालयों में सेंधमारी का दावा किया है।

चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय (एमपीएस) के एक कथित साइबर सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्टर आईसून से जुड़े हजारों दस्तावेज, इमेज और चैट संदेश वीकएंड में एक सोशल मीडिया साइट पर अनाम रूप से पोस्ट किए गए थे। कॉन्ट्रैक्टर के दो कर्मियों ने बताया कि आईसून और चीनी पुलिस ने फाइलें लीक कैसे हुए, इसका पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों में से एक ने कहा कि आईसून ने लीक के बारे में 21 फरवरी को एक बैठक की थी और बताया गया था कि इससे बिजनेस पर बहुत अधिक असर नहीं पड़ेगा और अपना काम नॉर्मल वे में ही जारी रखें।

इसके मुताबिक, साइबर अटैकर्स का निशाने पर नाटो, यूरोपीय सरकार, निजी संस्थानों से लेकर पाकिस्तान जैसे बीजिंग के सहयोगियों तक थे। हालाँकि लीक में साइबर जासूसी ऑपरेशन के टार्गेट मेंशन हैं, लेकिन लीक में चोरी किए गए डेटा के सैंपल नहीं मिले। यह सभी मामलों में व्यक्तिगत लक्ष्यों पर हमले की सीमा और हमलों की अवधि को भी नहीं बताता है।

लीक हुए डेटा में वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और राष्ट्रपति के आंतरिक मंत्रालय जैसे भारतीय टार्गेट का उल्लेख है। इससे इसका इशारा संभवतः गृह मंत्रालय की ओर है। भारत में, मुख्य टार्गेट विदेश मंत्रालय, वित्त मंत्रालय और अन्य संबंधित विभाग हैं। हम इस क्षेत्र को गहराई से ट्रैक करना जारी रखे हैं और लंबी अवधि में इसके मूल्य का दोहन कर सकते हैं, आईसून द्वारा तैयार की गई एक आंतरिक रिपोर्ट के अनुवादित भारत अनुभाग में लिखा है। राज्य द्वारा संचालित पेंशन फंड मैनेजर, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), राज्य दूरसंचार ऑपरेटर भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल), और निजी स्वास्थ्य सेवा श्रृंखला अपोलो हॉस्पिटल्स के यूजर्स डेटा में भी कथित तौर पर सेंध लगाई गई थी। एयर इंडिया का चोरी हुआ डेटा यात्रियों द्वारा डेली चेक-इन के विवरण से संबंधित है।

इमिग्रेशन डिटेल्स भी हुई लीक

खास तौर पर तब से जब 2020 में गलवान घाटी झड़प के बाद भारत-चीन संबंधों में तनाव देखा गया था।

ताइवान के शोधकर्ता अजाका, जो सबसे पहले गेटीहाब लीक मामले को सामने लेकर आए हैं, उन्होंने भारत को बताया कि, भारत हमेशा से चीनी एपीटी पक्ष का एक बड़ा केंद्र बिंदु रहा है। चुराए गए डेटा में स्वाभाविक रूप से भारत के कुछ संगठन शामिल हैं, जिसमें अपोलो हॉस्पिटल, 2020 में देश के अंदर और बाहर आने वाले लोग, प्रधान मंत्री कार्यालय और जनसंख्या रिकॉर्ड शामिल हैं।

दिल्ली में अधिकतम तापमान 10.8 डिग्री के आसपास, एक्यूआई 'खराब'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अधिकतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि औसत से एक डिग्री कम है। भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि गुरुवार को तापमान 25 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। इसके साथ ही पूरे दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस बीच सभी स्टेशन पर वायु गुणवत्ता 'खराब' दर्ज की गई। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, आनंद विहार क्षेत्र में, सुबह 9 बजे, पीएम 2.5 का स्तर 'बहुत खराब' श्रेणी में 309 दर्ज किया गया और पीएम 10 264 या मध्यम स्तर पर पहुंच गया, जबकि नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (एनओ2) 133 पर था, जो मध्यम स्तर पर था। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे (टी3) पर पीएम 2.5 का स्तर 64 दर्ज किया गया, जिसे 'संतोषजनक' माना जाता है और पीएम 10 का स्तर 152 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। द्वारका सेक्टर 8 में पीएम 2.5 का स्तर 218 और पीएम 10 का स्तर 274 रहा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी यह सुनिश्चित करें कि पश्चिम बंगाल में मीडिया का दमन न हो : ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने पश्चिम बंगाल में एक टेलीविजन चैनल के पत्रकार की गिरफ्तारी पर बृहस्पतिवार को गंभीर आपत्ति जताई और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि राज्य में मीडिया का दमन नहीं हो। यहां संवाददाता सम्मेलन में ठाकुर ने पत्रकार की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा, 'मेरा ममता बनर्जी से अनुरोध है कि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।' ठाकुर ने कहा, 'प्रेस की स्वतंत्रता मीडिया का अधिकार है और इसे कुचला नहीं जाना चाहिए। ये मेरी ममता बनर्जी से अपील है।' रिपब्लिक बांग्ला चैनल के पत्रकार शांतु पान को सोमवार को संदेशखालि से गिरफ्तार किया गया था। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित संदेशखालि में तनाव व्याप्त है जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख और उसके समर्थकों पर जमीन पर कब्जा करने और बंधक बनाकर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम पांच जनवरी को राशन घोटाले के सिलसिले में छापेमारी करने शाहजहां शेख के आवास पर गई थी। ईडी की टीम पर भीड़ ने हमला कर दिया था। इसके बाद से शाहजहां फरार है। शेख के दो सहयोगियों और अन्य पर सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुरादाबाद से 'न्याय यात्रा' में शामिल हो सकती हैं प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा आगामी रविवार को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का हिस्सा बन सकती हैं और उत्तर प्रदेश में इस यात्रा के जारी रहने के दौरान इसमें शामिल रह सकती हैं। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रियंका गांधी को चंदौली से ही इस यात्रा में शामिल होना था, लेकिन अस्वस्थ होने के चलते वह इसमें शामिल नहीं हो सकीं। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को आगरा में इस यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे की घोषणा की थी। कांग्रेस उत्तर प्रदेश की कुल 80 सीट में से 17 सीट पर चुनाव लड़ेगी। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' बुधवार को कानपुर में थी, जबकि 22 और 23 फ़रवरी को यात्रा में विराम है। यह यात्रा 24 फ़रवरी की सुबह मुरादाबाद से फ़िर शुरू होगी। उसके बाद संभल, अलीगढ़, हाथरस, और आगरा ज़िलों से गुजरते हुए यात्रा राजस्थान के धौलपुर में रुकेगी। इसके बाद 26 फ़रवरी से एक मार्च तक यात्रा में विराम होगा, ताकि राहुल गांधी 27 और 28 फरवरी को इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दो विशेष व्याख्यान दे सकें और नई दिल्ली में होने वाली पार्टी की कुछ महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल हो सकें। इस विराम के बाद दो मार्च को अपराह्न दो बजे धौलपुर से एक बार फिर 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरू होगी। इसके बाद यह मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, शाजापुर और उज्जैन-सहित मध्यप्रदेश के अन्य ज़िलों से गुजरेगी। 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 14 जनवरी को मणिपुर से आरंभ हुई थी। अगले महीने मुंबई में इसका समापन होना है।

मशहूर महिला कथावाचक जया किशोरी को जान से मारने की धमकी, आरोपी कारोबारी गिरफ्तार

लखनऊ। मशहूर महिला कथावाचक और मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी का पीछा करने और अश्लील टिप्पणी करने के आरोप में एक होटल कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। लखनऊ की हजरतगंज पुलिस ने यह कार्रवाई की है। दरअसल, जया किशोरी महिला हेल्प लाइन 1090 के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ स्थित गन्ना संस्थान के ऑडिटोरियम में पहुंची थीं। तब उन्होंने महिलाओं को सशक्त व मजबूत बनाने के लिए कई तरह के टिप्स दिए। तभी होटल कारोबारी दीपेश ठाकुरदास थवानी अवैध तरीके से कार्यक्रम में घुस आया और स्टेज पर चढ़ गया। सिरफिरे ने जया किशोरी के साथ अभद्रता करने का प्रयास कर जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बाद जया की तरफ से उनके भाई दीपक ओझा ने लखनऊ के हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी दीपेश शिरडी महाराष्ट्र के रहने वाला है। शिरडी में दीपेश का बड़ा होटल है। परिवार के सदस्य पश्चिम अफ्रीका के घाना में कारोबार करते हैं। आरोपी विदेश आता जाता रहता है और सोशल मीडिया पर महिला कथावाचक को फॉलो करता है। सोशल मीडिया के जरिए जया किशोरी के कार्यक्रमों की जानकारी आरोपी को मिलती है। आरोपी बिना पूर्व सूचना और रजिस्ट्रेशन के कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाता है। आरोपी दीपेश सिर्फ लखनऊ ही नहीं, हैदराबाद ,जयपुर, जालंधर में भी जया किशोरी के स्टेज पर पहुंचा था। दीपेश के खिलाफ इन शहरों में भी मामले दर्ज हैं।

ईडी ने सोमवार को पेश होने केजरीवाल को भेजा 7वां समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में केजरीवाल को सोमवार हाजिर होने कहा है। बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उसके समक्ष पेश होने के लिए ईडी ने सातवां समन जारी किया है। इस संबंध में सूत्रों ने बताया कि केजरीवाल को 26 फरवरी को वित्तीय जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले, सोमवार को केजरीवाल कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में ईडी के छठे समन पर

भी उपस्थित नहीं हुए। आप सूत्रों के मुताबिक समन असंवैधानिक था और फिलहाल ईडी के सामने पेश होने की वैधता अदालत में जांच के दायरे में है। दिलचस्प बात यह है कि ईडी ने इस मामले को खुद अदालत में लाने की पहल की है। लगातार समन जारी करने की बजाय उसे अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए जिससे उचित कानूनी प्रक्रिया शुरू हो सके। बता दें कि इससे पहले, ईडी ने 31 जनवरी को केजरीवाल को समन जारी किया था और 2 फरवरी को उसके सामने पेश होने को कहा था। यह आप संयोजक को जारी किया गया पांचवां समन था। बता दें कि केजरीवाल के पांचवें समन को नजरअंदाज करने के बाद ईडी कोर्ट गई। हालांकि वित्तीय जांच एजेंसी की शिकायत में आरोप लगाया गया कि केजरीवाल जानबूझकर समन का पालन नहीं करना चाहते थे और बचकाना बहाने बना रहे हैं। एजेंसी ने कहा ?कि अगर उनके जैसे उच्च पदस्थ सार्वजनिक पदाधिकारी ने कानून की अवज्ञा की, तो यह आम लोगों के लिए एक गलत उदाहरण स्थापित होगा। दरअसल दिल्ली की नई आबकारी नीति 2021-22 को बनाने और उसके क्रियान्वयन में घोटाले के आरोपों के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 20 जुलाई, 2022 को मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। आरोप है कि आबकारी नीति के निर्माण के चरण के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया और अन्य अज्ञात और अनाम निजी व्यक्तियों/संस्थाओं सहित आप नेताओं द्वारा एक आपराधिक साजिश रची गई थी और साउथ लॉबी के शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाया गया।

अखिलेश के 'पीडीए' का जवाब स्वामी प्रसाद मौर्य की 'राष्ट्रीय शोषित समाज' पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य गुरुवार को अपने राजनीतिक दल का ऐलान करने वाले हैं। दरअसल, उन्होंने सपा का साथ छोड़ने के साथ ही साफ कर दिया था कि वो नए राजनीतिक दल का गठन करेंगे। मौर्य दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में अपनी नई पार्टी ऐलान करेंगे, जिसका नाम 'राष्ट्रीय शोषित समाज' होगा।

बीते दिनों स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव की राजनीतिक विचारधारा पर आपत्ति जताते हुए सपा से इस्तीफा दे दिया था, इसके बाद से यह चर्चा शुरू हो गई थी कि अब उनका अगला राजनीतिक कदम क्या होगा? लेकिन, उन्होंने यह कहकर इन सभी चर्चाओं पर ब्रेक लगा दिया था कि वह किसी के साथ नहीं जा रहे हैं, बल्कि अपनी अलग पार्टी का गठन करेंगे।

उधर, अखिलेश यादव से जब स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा से इस्तीफा देने के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि लोग अपने फायदे के लिए हमारे पास आते हैं और जब उनका काम निकल जाता है, तो वो चले जाते हैं। वहीं, स्वामी प्रसाद ने अपने इस्तीफे के पीछे की वजह के बारे में बताते हुए कहा था कि अखिलेश यादव अब पिछड़ों की बात नहीं करते हैं, जिसे लेकर मेरा उनसे मतभेद है न की मनभेद। स्वामी ने कहा कि जिस दिन अखिलेश को अपनी गलती का एहसास होगा, उस दिन मैं दोबारा सपा में जाऊंगा।

बता दें कि अखिलेश ने स्वामी को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी थी, लेकिन स्वामी पहले महासचिव के पद से इस्तीफा दिया, फिर एमएलसी और इसके बाद उनका सपा से भी मोहभंग हो गया। खैर, अब उन्होंने अपने लिए नई राजनीतिक स्क्रिप्ट तैयार कर ली है, जिसे वो आज मूर्त रूप देने जा रहे हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में स्वामी प्रसाद मौर्य एक पुराना नाम है। 80 के दशक में स्वामी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी पारी शुरू की था। लोकदल से उन्होंने अपने सियासी सफर का आगाज किया था, लेकिन उनके राजनीतिक राह को नया मोड़ तब मिला, जब उन्होंने बसपा का दामन थामा। बसपा ने उन्हें मंत्री बनाया। वो मायावती के करीबी माने जाते थे। इसके बाद मायावती ने उन्हें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तक की जिम्मेदारी सौंपी। कुछ दिनों तक स्वामी बीजेपी में भी रहे। यहां भी उन्हें कई बड़ी जिम्मेदारी मिली। इसके बाद वो सपा के बैनर तले आए, जहां उन्हें कई बड़ी जिम्मेदारी मिली, लेकिन उनका यहां से भी मोहभंग हो चुका है।

बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य ऐसे वक्त में अपनी पार्टी बनाने जा रहे हैं, जब लोकसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में बहुत मुमकिन है कि वो मौर्य, कुशवाहा और ओबीसी समुदाय के लोगों के पक्ष में अपनी बात रखते हुए दिखेंगे। ध्यान दें, स्वामी ओबीसी समुदाय के हितों पर खुलकर अपनी बात रखते हैं और खुद को ओबीसी समुदाय का पैरोकार बताते हैं।

किसानों की अग्निपरीक्षा लेने पर तुली है केन्द्र सरकार : सैलजा

चंडीगढ़। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार किसानों की अग्निपरीक्षा लेने पर तुली हुई है। यही वजह है कि उसने किसानों के साथ षड्यंत्र रचने की शुरुआत कर दी है। किसानों को वार्ता का झांसा देकर उन पर गोलियां चलाई जा रही हैं, इतना ही नहीं जान लेने की शुरुआत भी कर दी है। तीन कृषि कानूनों के दौरान जिस तरह का इम्तिहान केंद्र सरकार ने किसानों का लिया था, अब फिर उसी तरह की अग्निपरीक्षा लेना चाह रही है। लेकिन, किसान इनकी शतरंजी चालों को समझ चुके हैं। मीडिया को जारी किए गए एक बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि किसान संगठन केंद्र सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए 8 दिन से कड़ाके की ठंड, बारिश व ओलावृष्टि के बीच सड़क पर बैठे हुए हैं। एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने का वादा तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली के बॉर्डर पर बैठे किसानों को उठाने के समय पीएम ने किया था, लेकिन आज तक कुछ भी नहीं हुआ। सरकार अपने वादे को याद करते हुए एमएसपी की गारंटी देने के बजाए किसानों के साथ बैठक करके बातचीत के नाम पर गुमराह कर रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसान शांतिपूर्वक तरीके से अपनी बात रखना चाहते हैं। वे देश की राजधानी दिल्ली पहुंचना चाहते हैं, लेकिन पु ?लिस के द्वारा कीलें गाड़कर, रास्ते रोक कर, सड़को पर कंक्रीट की दीवार खड़ी करके भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार उनकी राह में अड़चनें खड़ी कर रही है। केंद्र सरकार ने जब भी बातचीत के लिए किसानों को आमंत्रित किया तो उन्होंने भी सहर्ष इसे स्वीकार करते हुए भरसक कोशिश की। लेकिन, केंद्र की मंशा से अब किसान वाकिफ हो चुके हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि शंभू या खनौरी बॉर्डर पर अभी तक किसानों ने न तो कोई बेरिकेट तोड़ा है और न ही सुरक्षा बलों के लिए किसी तरह की परेशानी का कारण बने हैं, फिर भी बुधवार को दिनभर दोनों बॉर्डर पर आंसूगैस के सैकड़ों गोले दागे गए।

केन्द्र सरकार चुनाव से पहले कांग्रेस को आर्थिक तौर पर पंगु बनाना चाहती है: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार चुनाव से पहले पार्टी को आर्थिक तौर पर पंगु बनाना चाहती है। पार्टी का दावा है कि मोदी सरकार और आयकर अधिकारियों ने कांग्रेस के बैंक खातों से 65.8 करोड़ रुपए चोरी किए।

कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने पार्टी महासचिवों जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल के साथ आज पत्रकार वार्ता कर कई गंभीर आरोप लगाये। पूरे मामले की जानकारी देते हुए माकन ने कहा कि कांग्रेस को 2018-19 में 142.83 करोड़ रुपये का चंदा मिला था। इसमें से सिर्फ 14.49 लाख रुपये हमारे विधायकों और सांसदों की एक महीने की सैलरी से मिले थे। 14 लाख रुपये कैश में आने की वजह से हमारे ऊपर 210 करोड़ रुपये की पेनल्टी लगा दी गई। हमें 31 दिसंबर तक अपने खातों की जानकारी आयकर विभाग को देनी थी। हमने 2 फरवरी 2019 को यह जानकारी दी। ऐसे में सारे पैसे पर यह पेनल्टी लगाई गई। ऐसा आज तक कभी नहीं हुआ। मामले में 5 साल बाद सरकार और आयकर विभाग जागा है और वे भी तब जब चुनाव सिर पर हैं। ये कहां का न्याय है? ये कांग्रेस पार्टी को आर्थिक रूप से तोड़ने की कोशिश है ताकि हमलोग चुनाव न लड़ पाएं। अगर हमारे खाते फ्रीज हो जाएंगे तो हम चुनाव कैसे लड़ेंगे, प्रचार कैसे करेंगे?

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले नोटबंदी कर दी गई थी। मोदी सरकार चाहती थी कि पार्टियां चुनाव न लड़ पाएं। ठीक उसी तरह 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियों पर 'कर हमला' किया गया है। इसका एक ही मकसद है- कांग्रेस पार्टी को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया जाए और हम चुनाव न लड़ पाएं।

यूपी की सियासत गरमाई, सीएम योगी से मिले राजा भैया

-सपा के झुकाव के बावजूद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से भी हुई मीटिंग

लखनऊ (एजेंसी)। राजा भैया के सीएम योगी से मिलने के बाद एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। हालांकि सपा की ओर उनका झुकाव होने के बावजूद राजा भैया ने बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष से भी मुलाकात की है। इसलिए यहां की राजनीति में बड़ा बदलाव होता दिख रहा है। एक ओर जहां लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी- कांग्रेस गठबंधन फाइनल हो गया है। वहीं, राज्यसभा चुनाव को लेकर भी प्रदेश की राजनीति में बदलाव हो गया है। प्रदेश की सियासी हलचल काफी गरमा गई है। सूत्रों का दावा है कि इस गठबंधन के ऐलान के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया से मुलकात हुई है। यह मुलाकात सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल से राजा भैया की मुलाकात के 24 घंटे के भीतर हुई है। सपा प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के बाद राजा भैया का झुकाव सपा की ओर होता दिख था। हालांकि, अब सीएम योगी से मुलाकात के बाद देर रात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से भी उनकी मुलाकात हुई है। हालिया जानकारी के मुताबिक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राजा भैया के आवास पर पहुंच कर मुलाकात की है। इस दौरान सीएम योगी के ओएसडी श्रवण बघेल के भी मौजूद रहने का दावा किया जा रहा है। राज्यसभा चुनाव को लेकर बीजेपी नेताओं और राजा भैया की मुलाकात की सूचना है। इससे पहले मंगलवार को सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल भी राजा भैया से मुलाकात करने पहुंचे थे। राजा भैया बुधवार की शाम को सीएम योगी से मिले थे। यहां गौरतलब है कि भाजपा राज्यसभा चुनाव के लिए आठवीं सीट पर जीत की कवायद में जुटी हुई है। यूपी में 10 सीटों पर होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा की 7 और सपा की 3 सीटों पर जीत तय मानी जा रही थी। इसी बीच भाजपा ने संजय सेठ के रूप में आठवां प्रत्याशी चुनाव में उतार दिया।

विकसित राष्ट्र बनने की मैराथन दौड़ के लिए भारत की समुद्री ताकत होगी महत्वपूर्ण : उपराष्ट्रपति

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की मैराथन दौड़ के लिए भारत की समुद्री ताकत महत्वपूर्ण होगी। साथ ही उन्होंने समुद्री सुरक्षा और अन्य चिंताओं के समाधान से वैश्विक सहयोग का भी आह्वान किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज यहां अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगोष्ठी- मिलन 2024 को संबोधित कर रहे थे। पूर्वी नौसेना कमान के काम पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कमान ने भारत के समुद्री इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और देश के लिए ख्याति अर्जित की है। उपराष्ट्रपति ने महासागरों की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रों को एक साथ आने, अनुभव साझा करने और सहयोगी रणनीति विकसित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा, क्षेत्रीय तनावों से बचना और नीली अर्थव्यवस्था का सकारात्मक दोहन वैश्विक चिंताएं हैं, जिन्हें अब नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता है। समुद्री व्यवस्था का पालन क्षेत्र की शांति और सद्भाव के लिए और साथ ही आपूर्ति श्रृंखलाओं के रखरखाव और व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए भी सर्वोत्कृष्ट है। उन्होंने कहा कि भारत समुद्री सीमाओं का सम्मान करने और नियम-आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने के महत्व को पहचानता है। हमारा मानना है कि समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीएलओएस) सहित अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और समुद्री संसाधनों के निरंतर उपयोग के लिए आवश्यक है। एकतरफा कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय कानून की अवहेलना के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

महुआ मोइत्रा की याचिका पर शुक्रवार को आदेश देगा दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के तहत पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ एक जांच के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 'गोपनीय' सूचना मीडिया को कथित तौर पर लीक करने के विरुद्ध तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता की याचिका पर 23 फरवरी को आदेश पारित करेगा। पूर्व सांसद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रेबेका जॉन ने दावा किया कि उनकी मुवक्किल को 'परेशान' किया जा रहा है और एजेंसी द्वारा उन्हें समन जारी करने की सूचना, उन्हें समन मिलने से पहले ही मीडिया ने प्रकाशित कर दी। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने मौखिक रूप से कहा कि अभी तक ऐसा कुछ नहीं है क्योंकि संबंधित समाचार रिपोर्ट में तथ्यात्मक दावे किए गए हैं। उन्होंने कहा, 'वह खबर है। आप एक सार्वजनिक व्यक्ति हैं। यह केवल तथ्यात्मक दावा हैज्अभी तक ऐसा कुछ नहीं है।' जॉन ने दलील दी कि वह कोई भी जांच करने के एजेंसी के अधिकार के खिलाफ नहीं हैं लेकिन मीडिया को ऐसी जानकारी लीक करना उनके लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा, 'यह मुझे सूचित किए जाने से पहले सूचना लीक करने के बारे में है। (अगर कोई प्रेस विज्ञप्ति नहीं है) तो ईडी मेरे बारे में संवेदनशील और गोपनीय सूचना लीक कर रहा है।'

इस पर अदालत ने कहा, 'कल आदेश पारित करेंगे।' एक समाचार संगठन की ओर से पेश हुए वकील सिद्धांत कुमार ने कहा कि याचिकाकर्ता उन आरोपों की जांच का सामना कर रही सार्वजनिक हस्ती हैं जो जनता के सामने हैं और इस तरह यह सार्वजनिक बहस का विषय है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुछ भी हानिकारक नहीं है और मीडिया की खबरें सूत्रों पर आधारित हैं।

भाजपा ने राजनीति में विश्वसनीयता का संकट समाप्त किया: राजनाथ सिंह

नबरंगपुर (ओडिशा) (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस द्वारा पैदा किये गये 'राजनीति में विश्वसनीयता के संकट' को समाप्त किया है और वादों को पूरा करके लोगों का विश्वास हासिल किया है।

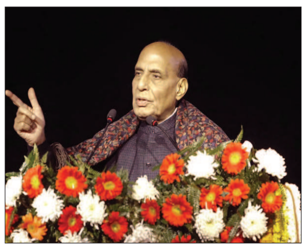

रक्षा मंत्री सिंह तीन लोकसभा क्षेत्रों नबरंगपुर, कालाहांडी और बोलांगीर के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं किया जिससे लोगों का नेताओं पर से भरोसा उठ गया था, लेकिन भाजपा ने अपने चुनावी वादों को पूरा करके लोगों का भरोसा जीता है। इस प्रकार राजनीति में विश्वसनीयता का संकट समाप्त हुआ है। जनता को अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा है।' उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस चुनाव के बाद लोगों से किए गए वादे 'भूल' जाती थी और इसीलिए लोगों का नेताओं पर से 'भरोसा उठ' गया था। रक्षा मंत्री ने कहा लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2014 में सत्ता में आने के बाद से चीजें बदली हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, 'आप हमारे चुनाव घोषणापत्र को देख सकते हैं और आप पाएंगे कि सभी वादे पूरे किए गए हैं।' उन्होंने कहा कि पार्टी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने, तीन तलाक को खत्म करने और अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण का वादा किया था और सभी वादे पूरे किए गए। उन्होंने कहा कि लोगों को अब एहसास हो गया है कि भाजपा जो वादे करती हैं उन्हें पूरा करती है। रक्षा मंत्री ने कहा, 'हम (भाजपा) लोगों की सेवा करने की और राष्ट्र निर्माण के लिए राजनीति करते हैं केवल देश पर शासन करने की नहीं।' उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक मोर्चे पर तेजी से प्रगति कर रहा है और वह 2047 तक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से दिन के 12 घंटे पार्टी के प्रति समर्पित करने का आग्रह किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केंद्र में मोदी सरकार बने और ओडिशा में डबल इंजन की सरकार बने। सिंह ने कहा, 'ओडिशा को भी डबल इंजन सरकार की जरूरत है, राजनीतिक समीक्षकों का कहना है कि हम यहां सरकार बनाएंगे।' रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका ओडिशा के साथ भावनात्मक लगाव है। उन्होंने कहा, 'हमने कांग्रेस के शासन के दौरान भारत सुरक्षा यात्रा निकाली थी। मैंने यात्रा की शुरुआत ओडिशा से की थी।'

बातचीत से निकालेंगे समस्या का समाधान, सरकार किसानों के हित में काम करने को प्रतिबद्ध : केंद्रीय कृषि मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान आंदोलन को देखते हुए सरकार लगातार किसानों से बातचीत कर रही है और कई दौर की बातचीत में कुछ मांगों पर सहमति भी बनती दिखाई दे रही है। इस दौरान सरकार की तरफ से केंद्रीय कृषि मंत्री किसानों से अपील भी करते दिखाई दे रहे हैं कि सभी मुद्दों का हल बातचीत से ही निकलेगा।

गुरुवार को केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने पत्रकारों से कहा, ÷पंजाब में किसान संगठनों के साथ कई दौर की सार्थक बातचीत हुई है। हम वार्ता से समाधान निकालेंगे। सरकार किसानों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, हम फिर से बात कर सकते हैं।÷

उन्होंने कहा कि यह देश हम सब का है और हर समस्या का हल निकाला जा सकता है। किसानों के दो दिन तक दिल्ली कूच को स्थगित करने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारी कई दौर की वार्ता हुई है और सार्थक भी रही है। कई मुद्दे और कई मांगें ऐसी हैं, जिन पर और कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के लिए प्रतिबद्ध है और हर साल 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपए सीधे किसानों के खाते में पहुंचते हैं। यह किसानों के सम्मान और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए होता है।

कृषि मंत्री ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में 333 मिलियन टन तक हमारा अनाज उत्पादन बढ़ा है। इसके साथ ही सब्जियों की खेती समेत अन्य क्षेत्रों में लगातार विकास हुआ है और बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने बताया कि खादी उद्योग भी किसानों से जुड़ा है। उसका भी टर्नओवर 1 लाख 35 हजार करोड रुपए हो गया है। हम लगातार किसानों से बातचीत कर रहे हैं। चौथे दौर की बातचीत में भी हमने किसानों से कहा था कि आप हमसे हुई बातचीत को आपस में समझ कर हमें बताइए, हम फिर से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। किसानों ने कहा था कि वह अपने सभी संगठनों से बातचीत करके फिर सरकार को बताएंगे। कुछ संगठनों ने सहमति नहीं दी होगी। इसके बावजूद हम वार्ता के लिए फिर तैयार हैं।

तालिबान में दो लोगों को सार्वजनिक रूप से मौत की सजा

गजनी । तालिबान ने दक्षिणपूर्वी अफगानिस्तान के स्टेडियम में दो लोगों को सार्वजनिक रूप से मौत की सजा दी। गजनी शहर के अली लाला इलाके में हजारों लोगों की मौजूदगी में दोनों लोगों को गोली मार कर मौत की सजा दी गई। तालिबान ने दोनों लोगों के कथित अपराधों तथा उनके बारे में किसी भी प्रकार की जानकारी देने से इंकार किया। कई अदालतों और तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने दोनों लोगों द्वारा कथित तौर पर किए गए अपराधों के लिए उन्हें मौत की सजा देने का आदेश दिया था। फांसी वाली जगह के बाहर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और अंदर जाने के लिए लोग बेसब्र हो रहे थे। इसके अलावा धार्मिक विद्वानों ने पीड़ितों के रिश्तेदारों से दोषियों को माफ करने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। दोपहर करीब एक बजे एक व्यक्ति को आठ गोलियां मारी गई, जबकि दूसरे को सात गोलियां मारी गई। इसके बाद एम्बुलेंस दोनों लोगों के शवों को ले गयी।

अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाओं में 1,600 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में पिछले दस महीनों में सड़क दुर्घटनाओं में 1,600 से अधिक यात्रियों की जान चली गई और 4,000 से अधिक घायल हुए हैं। यातायात पुलिस महानिदेशालय में योजना और नीतियों के प्रमुख अब्दुल वोदूद खैर ख्वा ने यह जानकारी दी। स्थानीय टेलीविजन चैनल टोलो न्यूज ने गुरुवार को श्री ख्वा के हवाले से कहा, 卐देश भर में पिछले 10 महीनों में लगभग 3,045 यातायात दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग मारे गए और घायल हुए।卐 अधिकारी का हवाला देते हुए निजी मीडिया आउटलेट ने कहा कि 976 पुरुषों, 192 महिलाओं और 447 बच्चों सहित 1,600 से अधिक यात्रियों ने इस अवधि में घातक सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाई। अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम बात है इसका मुख्य कारण जर्जर सड़कें, लापरवाही से गाड़ी चलाना और भीड़भाड़ वाले राजमार्गों पर यात्रियों के लिए सुरक्षा उपायों की कमी मुख्य है। अधिकारी के अनुसार यातायात पुलिस महानिदेशालय शहरों और राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रयासरत है।

45 साल बाद अचानक चर्चा में आया जुल्फिकार अली भुट्टो की फांसी का केस

–पाकिस्तान में तथ्यों को लेकर सेना–न्यायपालिका और विधायिका फिर आमने–सामने

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में पूर्व पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो की फांसी का केस 45 साल बाद अचानक एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। इस बार पाकिस्तान के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा ने मंगलवार जुल्फिकार अली भुट्टो की विवादास्पद फांसी का जिक्र किया और कहा, यह मामला सुप्रीम कोर्ट और देश की सेना के लिए अपनी पिछली गलतियों को सुधारने और अपनी प्रतिष्ठा बहाल करने का एक अवसर हो सकता है। चीफ जस्टिस ईसा की यह टिप्पणी उनकी अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की 9 सदस्यीय बड़ी पीठ की ओर से मामले की सुनवाई के दौरान की गई। दरअसल, 1979 में जुल्फिकार अली भुट्टो को हत्या के मामले में उकसाने के लिए दोषी ठहराया गया था और फांसी की सजा दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय बेंच में चार जजों ने लाहौर हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था, जबकि तीन ने जुल्फिकार अली भुट्टो को आरोपों से बरी कर दिया था। उसके बाद 4 अप्रैल, 1979 को जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी दे दी गई थी। हालांकि, भुट्टो का परिवार आज भी न्याय की मांग कर रहा है। कई लोगों का मानना है कि यह तत्कालीन सैन्य तानाशाह जनरल जियाउल हक के दबाव में लिया गया फैसला था, जिन्होंने 1977 में भुट्टो की सरकार को गिरा दिया था।

समर्थकों ने भुट्टो की फांसी को न्यायिक हत्या करार दिया था। उन्होंने सैन्य शासक और शीर्ष अदालत पर एक निर्वाचित प्रधानमंत्री को मनगढ़ंत आरोपों पर फांसी देने के लिए मिलीभगत करने का आरोप लगाया था। शीर्ष अदालत से भुट्टो के साथ हुए अन्यायपूर्ण व्यवहार को वापस लेने की मांग की थी। बता दें ?कि साल 2011 में तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी सुप्रीम कोर्ट परामर्श अधिकार क्षेत्र के तहत अपने ससुर भुट्टो को फांसी की सजा दिए जाने के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की थी। सुनवाई के लिए यह केस मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा की पीठ के पास पहुंचा था। राष्ट्रपति संदर्भित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश ईसा ने सुनवाई की और कहा, क्या यह दोनों संस्थानों न्यायपालिका–विधायिका के लिए उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों से छुटकारा पाने का अवसर नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को भुट्टो के पोते और पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी, आपराधिक और संवैधानिक पक्षों में विशेषज्ञता वाले न्याय मित्र भी सुनवाई में शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति संदर्भ में दिवंगत पीपीपी संस्थापक और शिकायतकर्ता अहमद रजा कसूरी के उत्तराधिकारियों को भी सुनने का फैसला किया है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सैयद मंसूर अली शाह ने टिप्पणी की कि अदालत मामले की योग्यता की जांच नहीं कर सकती क्योंकि फैसला पहले ही घोषित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अदालत इस बात पर गौर कर सकती है कि पूर्व पीएम को मौत की सजा कैसे दी गई।

2 बच्चों के साथ दुष्कर्म के आरोपी पिता को बेटियों ने पकड़वाया

–सोशल मीडिया पर हो रही दोनों की तारीफ

वॉशिंगटन । अमेरिका के वाशिंगटन में रहने वाले एक शख्स जिसने 2 बच्चों के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस से बचने के लिए भागता रहा। यहां तक कि शख्स पर 'अमेरिकाज मोस्ट वांटेड सीरीज भी बनी। पुलिसि की कई टीमें उसकी तलाश कर रही थीं, लेकिन 451 दिन बाद वह तब पकड़ा गया जब बेटियां उसके पीछे पड़ीं। अब उनकी पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के रहने वाले 51 साल के डेवी अलबरन पर दो बच्चों के साथ कुकर्म करने का आरोप लगा। पुलिस ने छापा मारा तब आरोपी अलबरन वहां से भाग निकला। इसके बाद आरोपी को पुलिस ने भगौड़ा घोषित कर दिया गया। कई राज्यों की पुलिस टीमें उसकी तलाश कर रही थीं। तभी बेटियों को लगा कि पिता ने गलत किया है और उन्हें सजा मिलनी चाहिए। इसके बाद दोनों बेटियों ने अलबरन ने सोशल मीडिया पर मुहिम छेड़ दी। एना ने फेसबुक और टिकटॉक पर लिखा, मेरे पिता ने दो बच्चों के साथ गलत हरकत की है। वह भाग रहे है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। अगर आपको कहीं भी दिखे तब तुरंत पुलिस को सूचित करें। हमें भी इसकी जानकारी दे सकते हैं। आप सभी अपने प्रोफाइल पर भी उसकी फोटो शेयर करें, ताकि जल्द से जल्द पकड़ा जा सके। दोनों ने बिलबोर्ड लगाए, रिश्तेदारों को भी इस काम में मदद करने को कहा। यहां तक कि बेटियों ने अपने पिता को दिसंबर 2022 में अमेरिका के मोस्ट वांटेड में भी प्रदर्शित किया। बेटियों की मुहिम रंग लाई और 451 दिनों बाद लोगों की सूचना पर पुलिस ने फ्लोरिडा के लेकलैंड से गिरफ्तार कर लिया। वह एक शेड में छिपा हुआ था। 30 साल की एना ने कहा, हम चाहते हैं कि कोई भी इसतरह का आदमी को न बचाए। गिरफ्तारी के बाद बेटियां इतनी खुश हुईं कि उन्होंने जश्न मनाया। उसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें वे शैंपेन की बोतल छिड़कते हुए दिख रही हैं। चिल्लाते हुए कह रही हैं कि हमने यह कर लिया दोस्तों– मेरा पिता जेल में है। आप सबका धन्यवाद। क्योंकि अगर आप नहीं होते तो वह कभी जेल नहीं जा पाता। पुलिस के साथ पूरे शहर ने उन दोनों की तारीफ की। पोल्क काउंटी के शेरिफ ग्रैडी जुड ने कहा, जब अलबरन लेकलैंड पहुंचा, तभी वहां के लोगों ने हमें बता दिया। हम जान चुके थे कि यह आदमी कहां है। इसके बाद छापेमारी कर दबोच लिया। दोनों बेटियों ने जो हमारी मदद की, उसका कोई जवाब नहीं। हम उन्हें सम्मानित करने वाले हैं।

गाजा में हमास और इजरायली सेना के बीच तत्काल संघर्ष विराम को लेकर हुए मतदान के दौरान प्रदर्शन करते हुए लोग।

पत्नी मेलानिया राष्ट्रपति चुनाव के कैंपेन में क्यों नहीं आ रहीं नजर? ट्रंप ने किया खुलासा

वाशिंगटन । पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खुलासा किया है कि उनकी पत्नी मेलानिया उनकी 2024 के राष्ट्रपति अभियान रैलियों में भाग क्यों नहीं ले रही हैं, ठीक उसी तरह जैसे इस समय प्रथम महिला जिल बाइडेन ने अपने पति के लिए किया है। मेलानिया ट्रम्प ज्यादातर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने या व्हाइट हाउस की दौड़ के संबंध में टिप्पणी करने से बचती रही हैं। हालाँकि, उन्होंने 2016 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सप्ताह साउथ कैरोलिना में अपने टाउन हॉल के दौरान फॉक्स न्यूज की होस्ट लौरा इंग्राहम के साथ बात करते हुए ट्रम्प से पूछा गया था कि क्या उनकी पत्नी अभियान में सक्रिय होंगी। मेलानिया बच्चों के साथ अद्भुत हैं लेकिन बहुत से लोग उन्हें और अधिक देखना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी पत्नी अपने 17 वर्षीय बेटे, बैरन ट्रम्प पर अधिक ध्यान दे रही हैं। ट्रम्प ने कहा कि उनका जीवन उस लड़के के इर्द–गिर्द घूमता है, वो उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही, यह हमारे देश और हमारे देश की सफलता के इर्द–गिर्द भी घूमता है। उसने चैरिटी के लिए बहुत सारा पैसा जुटाया है। मेलानिया को एक निजी व्यक्ति कहते हुए, जो अपने देश से प्यार करती है, एक समय के रियल एस्टेट मुगल ने कहा कि लोग इस तथ्य को पसंद करते हैं कि वह वहां इतनी ज्यादा नहीं है। आप जानते हैं, बहुत सारी प्रथम महिलाएँ बाहर जाएँगी। वे हर जगह रहना चाहते हैं। उन्हें अपने पति पर गुस्सा आता है क्योंकि वह उनका परिचय नहीं करा रहा है।

रूस ने भारतीयों से फ्रॉड किया, जंग लड़ने भेजा

कंपनियों ने हेल्पर के तौर पर हायर किया, फिर वैगनर आर्मी जॉइन करवा दी

मास्को (एजेंसी)। रूस जबरदस्ती भारतीयों को यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने के लिए भेज रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चार भारतीयों को रूस-यूक्रेन सीमा पर रूसी सैनिकों के साथ लड़ने के लिए मजबूर किया गया। रूसी कंपनियों ने इन भारतीयों को हेल्पर के तौर पर काम करने के लिए हायर किया था। इसके बाद इन्हें रूस की प्राइवेट आर्मी कही जाने वाले वैगनर ग्रुप में भर्ती करवा दिया गया और जंग के मैदान में छोड़ दिया गया। इन लोगों के परिजनों के बताया कि कुछ एजेंट्स ने दिसंबर 2023 में नौकरी के नाम पर धोखे से भारतीयों को रूस भेज दिया था। अब ये भारतीय मदद की गुहार लगा रहे हैं।

चार भारतीयों में से एक 22 साल के मोहम्मद सुफियान ने एक रूसी सैनिक के फोन से अपने घरवालों को मैसेज भेजा। लिखा- मैं यूक्रेन बॉर्डर से 40 किलोमीटर दूर हूं। हमें हमारी मर्जी के खिलाफ जंग के मैदान में भेजा जा रहा है। हमें धोखा दिया गया। हमारी मदद करो। हम किसी भी कीमत पर भारत लौटना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चारों भारतीय फेक आर्मी जॉब रैकेट का शिकार हुए। ये पहली बार नवंबर 2023 में एजेंट्स से मिले थे। एजेंसट्स ने हेल्पर की नौकरी के लिए लाखों की सैलरी बताई थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में भारतीयों को विजिटर वीजा पर रूस ले जाया गया। सभी ने चेन्नई एयरपोर्ट से उड़ान भरी। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि ये भारतीय दुबई में नौकरी करते थे। उनकी सैलरी 30-40 हजार रुपए थी। एजेंट्स ने 2 लाख की सैलरी वाली नौकरी का झांसा दिया। एक परिजन ने बताया कि नौकरी दिलाने के नाम पर एजेंट्स ने भारतीयों से 3 लाख रुपए भी लिए। अब उन्हें वैगनर आर्मी में भर्ती करके यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने भेजा जा रहा है।

60 अन्य भारतीयों को भी झांसा दिया गया

रिपोर्ट के मुताबिक 60 अन्य भारतीयों को भी झांसा देकर वैगनर आर्मी में शामिल किया गया है। महाराष्ट्र के एक आदमी ने इन लोगों से एक कॉन्ट्रैक्ट पेपर पर साइन करवाए थे। कॉन्ट्रैक्ट रूसी भाषा में लिखा था। साइन लेते समय इन लोगों से कहा गया कि वे रूस में हेल्पर की नौकरी से जुड़े पेपर पर साइन कर रहे हैं।

भारत ने जी20 एफएमएम बैठक में कहा :भूराजनीतिक मुद्दों का रचनात्मक समाधान तलाशें

रियो द जिनेरियो (ब्राजील) (एजेंसी)। पूरी दुनिया में विभिन्न संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत ने ब्राजील की मेजबानी में आयोजित जी20 मंत्री स्तरीय बैठक में भू राजनीतिक समस्याओं के रचनात्मक समाधान निकालने और समान आधार तलाशने पर जोर दिया है। ब्राजील ने एक दिसंबर 2023 को भारत से जी20 की अध्यक्षता प्राप्त की थी। ब्राजील की अध्यक्षता में बुधवार को जी20 विदेश मंत्रियों (एफएमएम) की बैठक यहां आयोजित की गई जो लातिन अमेरिकी देश की अध्यक्षता में संगठन की पहली मंत्री स्तरीय बैठक है।

विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने 'चल रहे अंतरराष्ट्रीय तनाव से निपटने में जी20 की भूमिका' शीर्षक से आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए विभिन्न बिंदुओं का उल्लेख किया और उनपर भारत के रुख की वकालत की। एफएमएम में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए मुरलीधरन ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत ने समाधान के लिए 'संवाद और कूटनीतिक प्रयासों को तत्काल शुरू करने का आह्वान किया जबकि इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के मामले में भारत दो राष्ट्र के समाधान पर विश्वास करता है। उन्होंने जोर दिया कि भारत आतंकवाद के किसी भी स्वरूप की निंदा करता है। उन्होंने कहा, 'हमें पश्चिम एशिया के संघर्ष का विस्तार नहीं होने देना चाहिए।' लाल सागर में समुद्री जहाजों पर हमलों का जिक्र करते हुए विदेश राज्यमंत्री ने तट से दूर समुद्रों में अत्यधिक सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि समुद्री के रास्ते गए संचार केबल की सुरक्षा 'महत्वपूर्ण है।' मुरलीधरन ने 'भूराजनीतिक मुद्दों को रचनात्मक समाधान तलाशने के लिए समान आधार बनाने पर जोर दिया।' भारत के रुख को दोहराते हुए उन्होंने विदेश मंत्रियों की बैठक को याद दिलाया कि एक आर्थिक मंच के रूप में जी20 को सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और जलवायु परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने ब्राजील की अध्यक्षता के दौरान भारत के 'दृढ़ समर्थन' की घोषणा की और कहा, एफएमएम का विषय 'न्यायपूर्ण विश्व का निर्माण एवं सतत ग्रह ' भारत के आह्वान 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' से साथ मेल खाता है।

राजा कृष्णमूर्ति लड़ सकते हैं अमेरिकी सीनेट 2026 में चुनाव

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति अमेरिकी सीनेट 2026 में चुनाव लड़ सकते हैं। उन्हें 50 सर्वाधिक शक्तिशाली लोगों की सूची में रखा गया है। जानकारी मिली है कि कृष्णमूर्ति 2026 में अमेरिकी सीनेट के लिए चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं। लेकिन, उन्होंने इसे सिरे से नकार दिया है। नई दिल्ली में जन्मे और इलिनोइस में पले-बढ़े डेमोक्रेट को शिकागो मैगजीन की हेवी हिटर्स सूची में 24वां स्थान मिला था, जिसमें इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रित्जकर शीर्ष पर थे। 2016 में कांग्रेस के लिए चुने गए कृष्णमूर्ति अब अपने चौथे कार्यकाल में इलिनोइस के 8वें जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिसमें शिकागो के पश्चिम और उत्तर-पश्चिमी उपनगरों के साथ-साथ शहर का 41वां वार्ड भी शामिल है। कृष्णमूर्ति की प्रचार निधि में 1.44 करोड़ अमेरिकी डॉलर हैं। यह राशि इलिनोइस के किसी भी अन्य कांग्रेस प्रतिनिधि से तीन गुना अधिक है और पूरी कांग्रेस में तीसरी सबसे बड़ी राशि है। 2022 में उन्होंने डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों और डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी को 460,000 डॉलर का दान दिया। यदि डिक डर्बिन सेवानिवृत्त होते हैं, तो वह 2026 में सीनेट के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। 79 वर्षीय डर्बिन अपने पांचवें

सीनेट कार्यकाल में हैं और उन्होंने 2005 से सीनेट डेमोक्रेटिक व्हिप के रूप में कार्य किया है। डर्बिन की सीनेट सीट पर कृष्णमूर्ति के अलावा कई अन्य राजनेताओं की नजरें भी लगी हुई है।

इस मामले में राजनीतिक सलाहकार टॉम बोवेन का मानना है कि कृष्णमूर्ति सीनेट की दौड़ की तैयारी के लिए धन जुटा रहे हैं, मगर उन्होंने इससे इनकार किया है। मीडिया से उन्होंने कहा कि सबसे पहले मुझे उम्मीद है कि सीनेटर डर्बिन अपनी सीट पर बने रहेंगे। मैंने ऐसा कुछ भी नहीं सुना है कि वह सीट छोड़ रहे हैं। मैं अभी इस पर विचार नहीं कर रहा हूं। अमेरिकी कांग्रेस में 535 वोटिंग सदस्य, 100 सीनेटर और 435 प्रतिनिधि हैं। जबकि, सीनेटर अपने पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, सदन के सदस्य व्यक्तिगत जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस वर्तमान में अमेरिकी सीनेट की अध्यक्षता करने वाली एकमात्र भारतीय-अमेरिकी हैं, जो 2024 के चुनावों में राष्ट्रपति बिडेन के साथी के रूप में चुनाव लड़ेंगी।

एलन मस्क की कंपनी का कमाल, इंसान के दिमाग में लगी चिप से चलाया माउस

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने इंसान के दिमाग में चिप लगाकर कमाल कर दिया है। अब बिना छुए ही कंप्यूटर पर माउस चलाकर काम किया सकता है। बता दें कि अब तक किस्सों-कहानियों में सुना था की कोई इंसान किसी वस्तु को छुए बिना केवल अपने दिमाग से उसे नियंत्रित कर सकता हैं। मगर एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने यह कारनामा कर दिखाया है। मस्क ने सोमवार देर रात जानकारी दी कि पहला मानव रोगी, जिसने पिछले महीने न्यूरालिंक से दिमाग में चिप लगवाया था, पूरी तरह से ठीक हो गया है और अब वह अपने विचारों का उपयोग करके कंप्यूटर माउस को कंट्रोल करने में सक्षम है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक स्पेस इवेंट में मस्क ने कहा, प्रगति अच्छी है, और ऐसा लगता है कि मरीज पूरी तरह से ठीक हो गया है, तंत्रिका संबंधी प्रभावों के बारे में हम जानते हैं। मरीज

सिर्फ सोच कर स्क्रीन के चारों ओर माउस घूमाने में सक्षम है। मस्क ने कहा कि न्यूरालिंक अब मरीज से ज्यादा से ज्यादा माउस बटन क्लिक कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि न्यूरालिंक ने अधिक जानकारी के लिए तुरंत जवाब नहीं दिया। न्यूरालिंक ने पिछले महीने जनवरी में अपने पहले मानव रोगी के दिमाग में सफलतापूर्वक चिप को लगाया था। कंपनी ने इंसान पर ट्रायल करने के लिए बीते साल सितंबर में मंजूरी ले ली थी।

प्रक्रिया के बारे में बता करते हुए न्यूरालिंक ने कहा है कि अध्ययन में एक रोबोट ऑपरेशन करके इंसान के दिमाग में एक ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस को इंप्लांट करता है। न्यूरालिंक का शुरुआती लक्ष्य लोगों को अपने विचारों का उपयोग करके कंप्यूटर कर्सर या कीबोर्ड को कंट्रोल करने में सक्षम बनाना है। न्यूरालिंक 2017 में एलन मस्क द्वारा स्थापित एक स्टार्टअप है। यह एक ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस बनाने की कोशिश कर रहा है जो दर्दनाक चोटों वाले लोगों को केवल अपने विचारों का उपयोग करके फोन और पीसी ऑपरेट करने में मदद करेगा। ऐसा करने के लिए, वे लोगों के दिमाग में इलेक्ट्रोड प्रत्यारोपित करने पर काम कर रहे हैं। ताकि लकवा ग्रस्त लोगों की मदद हो सके।

भारत की एक और अंजू पहुंची पाकिस्तान, सिख लड़की ने कबूला इस्लाम

इस्लामाबाद । भारत की एक और अंजू ने पाकिस्तान जाकर इस्लाम कबूल लिया है। उसने अपने प्रेमी से निकाह भी कर लिया है। बता दें कि इससे पहले भी राजस्थान की अंजू ने अपने फेसबुक वाले प्रेमी नसरुल्लाह के साथ निकाह कर लिया था। उसने भी ईसाई धर्म छोड़कर इस्लाम स्वीकार कर लिया। अब कुछ इसी तरह का मामला फिर एक बार देखने को मिला है। जिसमें भारतीय मूल की एक सिख लड़की ने पाकिस्तान के सियालकोट जाकर इस्लाम स्वीकार कर अपने प्रेमी के साथ निकाह कर लिया। यह सिख लड़की जर्मनी की रहने वाली है, जिसका नाम जसप्रीत कौर है। धर्म बदलने के बाद अब इसका नाम जैनब हो गया। अपने प्रेमी अली अरसलान के साथ जैनब ने निकाह कर लिया है। जामिया हनाफिया सियालकोट की ओर से इस्लाम स्वीकार करने का प्रमाण पत्र भी दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार जैनब के पिता संगारा सिंह भारतीय पंजाब के लुधियाना के रहने वाले हैं। निकाह से पहले जसप्रीत कौर ने जामिया हनाफिया सियालकोट में इस्लाम अपना लिया, जहां उन्हें नया नाम दिया गया है।

बता दें कि जसप्रीत 16 जनवरी को पाकिस्तान एक धार्मिक तीर्थयात्रा के लिए आई थीं। कौर के पास भारतीय पासपोर्ट भी है। उन्हें 15 अप्रैल तक एकल प्रवेश वीजा दिया गया था। जामिया हनाफिया का प्रशासकों का कहना है कि कौर उन 2000 से अधिक गैर–मुसलमानों में से एक हैं, जिन्होंने उनके संस्थान में इस्लाम स्वीकार किया है। रिपोर्ट से पता चला है कि अरसलान और कौर विदेश में मिले थे। इसके बाद अरसलान ने कौर को पाकिस्तान आने का न्योता दिया था। अब दोनों ने निकाह कर लिया है। साल 2018 में भी एक मामला आया था, जिसमें 40 साल की एक जर्मन महिला ने पंजाब के हाफिजाबाद के एक शख्स से निकाह कर लिया था।

पाकिस्तान को 1971 जैसे विभाजन का सामना करना पड़ेगा, तालिबान मंत्री की धमकी के पीछे के क्या है मायने?

लंदन (एजेंसी)। ऐसा लगता है कि दानव उस हाथ को काटने के लिए तैयार है जिसने उसे खाना खिलाया है। एक बार इस्लामाबाद द्वारा समर्थित, अफगानिस्तान में तालिबान अब पाकिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता को खतरे में डाल रहा है। तालिबान अफगानिस्तान के उप विदेश मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने पाकिस्तान को 1971 जैसे विभाजन की चेतावनी दी है जिसमें बांग्लादेश का जन्म हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि अफ़ग़ान तालिबान ने पाकिस्तान पर किस तरह से कब्ज़ा कर लिया है, एक ऐसा देश जिसने उनके नेताओं की मेजबानी की, उनके विद्रोह को वित्त पोषित किया और अपने टैंक और बख्तरबंद वाहनों को चलाने के लिए अधिकारियों को ऋण दिया।

तालिबान मंत्री स्टैनिकजई की चेतावनी तब आई जब पाकिस्तान अफगानों को अपने क्षेत्र से अफगानिस्तान में खदेड़ रहा था। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर रहने वाले पश्तूनों ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान को अलग करने वाली डूरंड रेखा को कभी स्वीकार नहीं किया। टोलो न्यूज ने एक सार्वजनिक बैठक में स्टैनिकजई के हवाले से कहा हमने डूरंड को कभी नहीं पहचाना है और न ही कभी पहचानेंगे। आज अफगानिस्तान का आधा हिस्सा अलग हो चुका है और डूरंड रेखा के दूसरी तरफ है। डूरंड वह रेखा है जो अंग्रेजों ने अफगानों के दिल पर खींची थी।

स्टैनिकजई ने कहा कि आज, हमारा पड़ोसी देश शरणार्थियों को बहुत क्रूर तरीके से निर्वासित करता है, और उन्हें अपने देश लौटने के लिए कहा जा रहा है। बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया कि सैनिकजई ने चेतावनी दी कि इस तरह के अत्याचारों के परिणामस्वरूप 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से अलग करने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। 2023 में पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों पर कार्रवाई करते हुए मांग की कि सभी गैर-दस्तावेज प्रवासी 1 नवंबर तक देश छोड़ दें। इस निर्णय ने पाकिस्तान में अनुमानित 1.7 मिलियन अफ़गानों के भविष्य को अनिश्चितता और भय में डूबा हुआ छोड़ दिया।

पाकिस्तान पर कैसे उल्टा पड़ रहा है 'प्रोजेक्ट तालिबान'?

पाकिस्तान के सामने एक बड़ी समस्या है और तालिबान के साथ उसकी समस्याएं बढ़ती ही जा रही हैं। चाहे वे अफगानों को बाहर निकालें या वे अफगानों को बाहर न निकालें, चाहे वे कुछ भी करें, पाकिस्तान पर मुसीबतें आने वाली हैं। अफगानिस्तान में पाकिस्तान के विशेष दूत आसिफ दुर्रानी ने डूरंड रेखा पर तालिबान के रुख को सिरे से खारिज कर दिया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पहले तालिबान की डूरंड रेखा को मान्यता न देने को 'स्वार्थी और निराधार' बताया था।

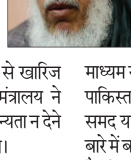

पाकिस्तान किस अंतरराष्ट्रीय कानून की बात कर रहा है?

अफगान तालिबान मंत्री स्टैनिकजई ने कहा कि अफगानिस्तान की यात्रा के लिए वीजा और पासपोर्ट की आवश्यकता अफगानों को स्वीकार्य नहीं है। पाकिस्तान ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय कानून और ऐतिहासिक समझौतों के माध्यम से डूरंड रेखा की वैधता पर जोर दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेता अब्दुल समद याकूब ने कहा, अगर कोई डूरंड रेखा के बारे में बात करता है, तो एक अंतरराष्ट्रीय कानून है। किसी को अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करना चाहिए। एक अंतरराष्ट्रीय सीमा है।

संपादकीय

सबसे महत्वपूर्ण गुण

प्रश्न होता है मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण गुण क्या है ? मैंने बहुत सोचा विचार किया तो मुझे इसका समाधान मिला की हमारी चिन्तन शक्ति सबसे मुख्य और महत्वपूर्ण हैं ।क्योंकि मानव परिस्थिति के अनुरूप अपने चिन्तन मैं परिवर्तन कर उस स्थिति का सामना कर आगे बढ़ सकता है क्योंकि चिन्तन में किसी भी स्थिति-परिस्थिति को बदलने का दमख़म हैं । अत: सकारात्मकता हमारे जीवन के चिन्तन में हर समय रहे । उदय होने वाला सूर्य भी अस्त होता है । साधारण तया लोग उगते सूर्य को ही प्रणाम करते हैं लेकिन अस्ताचल की तरफ जाते सूर्य को देख कर अनित्यता का बोध पा सकते हैं, वैराग्य भावना का विकास कर सकते हैं जैसा श्री हनुमानजी ने किया था । जिसका संयोग होता है उसका वियोग होता है । जिसका उत्पाद होता है उसका व्यय होता है । मनुष्य जीवन धारण करके कर्म-पथ से कभी विचलित नहीं होना चाहिए । विघ्नबाधाओं की, सफलता-असफलता की तथा हानि-लाभ आदि की चिंता किए बिना कर्तव्य के मार्ग पर चलते रहने में जो आनंद एवं उत्साह है, उसमें ही जीवन की सार्थकता है, इसमें कोई शक नहीं कि असफलता सदा दुःख देती है किन्तु इस दुनिया में शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति हो जिसे हार का सामना न करना पड़ा हो अत: असफलताओं को पार करके ही हम सफलता को प्राप्त कर सकते हैं। इतिहास गवाह है ज्यादातर सफल व्यक्ति ने पहले असफलता का स्वाद चखा है , उन्होंने उसे एक सीख के रूप में लिया ,उनके हर संघर्ष उनकी हर असफलता उन्हें हर बार कुछ ना कुछ सीख देते गए जिससे आगे के लिए सफलता के रास्ते और भी विस्तृत व पुष्ट होकर खुले । विश्व विख्यात गणितज्ञ आइंस्टीन बचपन में बार-बार असफल होने पर अपने को दिमागी कमजोर मान लेते तो आज वह विश्व विख्यात नहीं होते ।थॉमस एडिसन ने 1000 से भी अधिक असफल परीक्षण किया फिर भी जब कोई उनको असफलता के बारे में पूछता तो वह यही कहते मैंने बल्ब तैयार न होने के हजार फार्मूले बना लिए असफल तो कभी हुआ ही नहीं ।यही विश्वास रखकर अपनी असफलता को सफलता में बदला जा सकता है । जीवन में लगन और चिन्तन में सकारात्मकता सफलता की कुंजी है।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

भारत की समृद्धि में योगदान बढ़ाते प्रवासी

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम, अबू धाबी में भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय भारत और संयुक्त अरब अमीरात मिलकर 21वीं सदी का नया इतिहास लिख रहे हैं। आप यहां जो मेहनत कर रहे हैं, उस ऊर्जा से भारत भी आगे बढ़ रहा है। भारत के बढ़ते हुए सामर्थ्य ने दुनिया को भी स्थायित्व और समृद्धि की उम्मीद दी है। दुनिया को लगा है कि भारत एक भरोसेमंद ग्लोबल ऑर्डर स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। आज दुनिया के हर बड़े मंच पर भारत की आवाज सुनी जाती है। आज का मजबूत भारत कदम-कदम पर अपने लोगों के साथ खड़ा है। बीते 10 वर्षों में जहां भी विदेशों में बसे भारतीयों को समस्या आई, भारत सरकार ने तेज़ी से एक्शन लिया है। यूक्रेन, सूडान, यमन और दूसरे संकटों के दौरान फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित निकाल कर भारत लाया गया है। आज भारतीय समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है।

वस्तुत: प्रवासी भारतीय भारत की नई ऊर्जावान शक्ति हैं। यूएई में करीब 35 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं और इन्होंने वर्ष 2023 में अपनी कमाई में से 20 अरब डॉलर से अधिक रेमिटेंस भारत भेजी है। इस समय जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में ऊंचाई प्राप्त कर चुका है। आगामी पांच वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करने की डगर पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में यूएई सहित दुनियाभर के प्रवासी भारतीय अपनी मातृभूमि के लिए अधिक तत्परता के साथ योगदान देने के लिए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी 'माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2023 के मुताबिक विदेश में कमाई करके अपने देश में धन भेजने के मामले में वर्ष 2023 में भारतीय प्रवासी दुनिया में सबसे आगे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2023 में प्रवासी भारतीयों ने करीब 125 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक रेमिटेंस प्राप्त करने में भारत ने मेक्सिको, चीन और फिलिपींस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। टॉप-5 रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देशों में भारत के अलावा मेक्सिको (67 अरब डालर), चीन (50 अरब डालर), फिलीपींस (40 अरब डालर) और मिस्र (24 अरब डालर) शामिल हैं। रिपोर्ट से यह बात भी उभरकर सामने आई है कि पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले खाड़ी देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में हाई स्किल्ड लोगों की संख्या ज्यादा है जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं। ऐसे में वे अधिक कमाई करके अधिक धन भारत भेज रहे हैं।

जहां वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 100 अरब डॉलर भेजी, वहीं 2021 में 87 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी थी। जब वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी और दुनिया के विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में धीमापन आने के कारण भारतीय प्रवासियों की आमदनी में बड़ी कमी आई थी, फिर भी आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों द्वारा वर्ष 2020 में भेजी गई 83 अरब डॉलर की बड़ी धनराशि से भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। पिछले वर्ष 2023 में प्रवासियों द्वारा भेजी गई 125 अरब डॉलर की धनराशि अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के मद्देनजर बड़ी अहम रही है। यह छोटी बात नहीं है कि प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले क्रम का देश बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि दुनिया के भारतीय समुदाय के विभिन्न वर्गों द्वारा भारत के विकास के लिए योगदान दिया जा रहा है। प्रवासी भारतीयों का सबसे बड़ा डायस्पोरा है, जिसकी संख्या लगभग 3.2 करोड़ है। मोटे तौर पर प्रवासी भारतीयों में भारतवंशी (पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन), नॉन रेसिडेंट इंडियन (एनआरआई) और ओवरसीज सिटीजन

ऑफ इंडिया (ओसीआई) शामिल हैं। भारत के विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में भारतीय एनआरआई की संख्या करीब 1.34 करोड़ है और ये भारत में अपने संबंधित क्षेत्र में मतदान के पात्र हैं। सबसे ज्यादा प्रवासी भारतीय अमेरिका में रहते है। अमेरिका में विभिन्न प्रवासी समूहों में सबसे अधिक आय भारतीयों की है। भारतीय मूल के लोग अमेरिकी आबादी का एक प्रतिशत से थोड़ा अधिक हैं, वे संयुक्त राज्य अमेरिका के कर खजाने का 6 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं। दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं और हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक, आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कंप्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। इसमें कोई दोमत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशों की नई संस्कृति में ढलकर इस तरह की सफलता हासिल करना आसान नहीं होता है। ऐसे विभिन्न क्षेत्रों के चमकते सितारे अपनी चमक का लाभ मातृभूमि भारत के लिए भी विस्तारित कर रहे हैं।

गौरतलब है कि अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में भारत को विकास की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए भारत हितैषी संगठन काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता और विगत 9-10 सितंबर को नयी दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने में प्रवासी भारतीयों के संगठन 'इंडियास्पोरा' का अभूतपूर्व योगदान रहा है। इंडियास्पोरा भारत के विकास में अहम योगदान देने के उद्देश्य से वर्ष 2012 में अमेरिका में स्थापित एक ऐसी गैर-लाभकारी संस्था है, जो करीब 20 देशों में सक्रिय रूप से मजबूती के साथ काम कर रही है। यह संगठन दुनियाभर के विभिन्न देशों के प्रवासी भारतीयों के लिए भी प्रेरणादायी बन गया है। इस संगठन का कहना है कि भारत सरकार द्वारा भारत के बढ़ाए गए गौरव और प्रवासी भारतीयों के लिए किए गए विशेष प्रयासों से भारतवंशियों तथा प्रवासियों का भारत के लिए सहयोग लगातार बढ़ा है। ऐसे में अब भारत के तेज विकास और भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के मद्देनजर भारतवंशियों व प्रवासियों द्वारा तन-मन-धन से आगे सहयोग करने के संकल्प के अभियान को 'इंडियास्पोरा' द्वारा दुनियाभर में आगे बढ़ाया जा रहा है।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

स्वर के जादूगर अमीन सयानी नही रहें

(लेखक-विनोद कुमार सिंह)

- मखमली स्वर,जादुई आवाज के बादशाह अमीन सयानी ने 91 साल की उम्र में अंतिम सांस ली

रेडियो की प्रतिष्ठित जादुई आवाज,जिसने भारत व विदेशों में लाखों भारतीयों के दिलों पर राज किया और सुनहरी आवाज के साथ असाधारण प्रस्तुतकर्ता अमीन सयानी ने आज 91 साल की उम्र में अंतिम सांस ली।महान रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी लाखों दिलों की धड़कन थे ,कई दशकों तक उनका रेडियो कार्यक्रम गीत माला बेहद लोकप्रिय रहा क्योंकि उनके लाखों प्रशंसक उत्सुकता से इसका इंतजार करते थे और उनकी जादुई आवाज को सुनने के लिए अपना मनोरंजन करते थे।फिर टेलीविजन आया और धीरे-धीरे,हालांकि लंबे समय के बाद वह नजरों से और दिमाग से बाहर हो गए। शुरुआत दौर में रेडियो और बॉलीवुड में गायक बनने की हार्दिक इच्छा रखने वाले अमीन सयानी एक प्रसारक बन गए और देखते देखते उनकी जादुई आवाज ने श्रोताओं को प्रभावित किया और लोग उनकी आवाज और गीतमाला जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों को सुनने के लिए रेडियो से घंटो तकचिपके रहे थें। 1932 में तत्कालीन बंबई, एक बहुभाषी परिवार में जन्मे अमीन सयानी ने अपने करियर की शुरुआत ऑल इंडिया रेडियो से रेडियो प्रस्तोता के रूप में की थी। ऑल इंडिया रेडियो से उनका परिचय उनके भाई हामिद सयानी ने कराया था।एक संपूर्ण सज्जन अमीन सयानी जादुई आवाज के राजा थे, जिन्होंने कई दशकों तक लाखों-करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया और एक घरेलू नाम बन गए, जिसे हर कोई पसंद करता था।वह लगभग एक दशक तक रेडियो आकाशवाणी मुंबई में अंग्रेजी कार्यक्रम का हिस्सा रहे और फिर आजादी के बाद हिंदी क्षेत्र को ध्यान में रखा।हिंदी में प्रस्तोता के रूप में उनकी आवाज़ आकाशवाणी के कार्यक्रम प्रेमियों की बेहद हिट और जीवंत आवाज़ बन गई।आजतक के मुताबिक, तब हामिद सयानी भी रेडियो सीलोन में अंग्रेजी गानों का अपना दिलचस्प कार्यक्रम प्रसारित कर रहे थे। 1991 में हृषिकेश मुखर्जी की फिल्म आनंद की रिलीज के बाद ही उन्हें पता चला कि फिल्म में जिस आदमी की आवाज उन्हें पसंद थी,वह वही आदमी है जो रेडियो प्रस्तोता बनने का सपना लेकर उनके पास आया था, जिससे उन्होंने मिलने से इनकार कर दिया था।पहले भी कई बार जब अमिताभ लोकप्रिय नहीं थे। इस महान रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी नें लाखों दिलों की धड़कन थे,कई दशकों तक उनका रेडियो कार्यक्रम गीतमाला बेहद लोकप्रिय रहा क्योंकि उनके लाखों प्रशंसक उत्सुकता से इसका इंतजार करते थे और उनकी जादुई आवाज को सुनने के लिए अपना मनोरंजन करते थे।फिर टेलीविजन आया और धीरे-धीरे,हालांकि लंबे समय के बाद वह नजरों से और दिमाग से बाहर हो गए।शुरुआत में रेडियो और बॉलीवुड में गायक बनने की हार्दिक इच्छा रखने वाले अमीन सयानी एक प्रसारक बन गए और जल्द ही उनकी जादुई आवाज ने सभी को प्रभावित किया और लोग उनकी आवाज और गीत माला जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों को सुनने के लिए रेडियो से चिपके रहे थें।आप बता दें स्वर के इस सम्राट का जन्म1932 में तत्कालीन बंबई,एक बहुभाषी परिवार में हुआ था।अमीन सयानी ने अपने करियर की शुरुआत ऑल इंडिया रेडियो से रेडियो प्रस्तोता के रूप में की थी।ऑल इंडिया रेडियो से उनका परिचय उनके भाई हामिद सयानी ने कराया था।एक संपूर्ण सज्जन अमीन सयानी अपनी जादुई आवाज के बादशाह थे,जिन्होंने कई दशकों तक अपने दमदार व मधुर स्वर के बदौलत लाखों- करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हुए।हर कोई पसंद करता था।आप लगभग एक दशक तक रेडियो आकाशवाणी मुंबई में अंग्रेजी कार्यक्रम का हिस्सा रहे और फिर आजादी के बाद हिंदी क्षेत्र को चुना। हिंदी में प्रस्तोता के रूप में उनकी आवाज़ आकाश वाणी के कार्यक्रम प्रेमियों की बेहद हिट और जीवंत आवाज़ बन गई।भारत अपनी आजादी के पाँचवें बर्ष में प्रवेश कर चुका था । वही अमीन सयानी का वास्तविक परिचय और लोकप्रियता का नया अध्याय सन् 1952 में शुरू हुआ । उसी समय जब एक विज्ञापन कंपनी का एक अधिकारी श्रीलंका के रेडियो(सीलोन) में हिंदी फिल्मी गीतों की श्रृंखला का एक दिलचस्प कार्यक्रमआयोजित करने की योजना बना रहा था। यह विज्ञापन कंपनी कोई और नही बल्कि एक टूथपेस्ट कंपनी के लिए विज्ञापन बना रही थी जिसे उस समय बिनाका के नाम से जाना जाता था।यह कम्पनी अपने अन्य उत्पादों का उत्पादन भी करती थी।एक खबरिया चैनल के अनुसार,तब हामिद सयानी भी रेडियो सीलोन में अंग्रेजी गानों का अपना दिलचस्प कार्यक्रम प्रसारित कर रहे थे।इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए कम्पनी ने भविष्य हिन्दी श्रोताओं की प्रसंद हिंदी फिल्मी गानों की जबरदस्त मांग को ध्यान में रखते हुए, विनाका कम्पनी विज्ञापन के माध्यम सेबिनाका गीत माला नाम से एक हिंदी कार्यक्रम बनाने के बारे में कल्पना की ,जिसके प्रस्तोता अमीन सयानी थे।जो देश के हिंदी भाषी क्षेत्र के लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हुए।विगत मंगलवार को हिन्दी प्रेमी के लिए एक दु:खद समाचार भाई कि स्वर के सम्राट अमीन सयानी नें इस संसार अलविदा कह दिया है।यह दुखद सुचना आज मुझे एड मीडिया मित्र के फेस बुक के वॉल पर मिली ! खबर की पुष्टि के लिए मैने कई श्रोतो से पता किया । इसी दौरान मुझे लोक सभा ओम बिरला जी के ङ्क पोस्ट पर देखनें को मिला। अपनी मखमली आवाज़ और प्रस्तुति की विशिष्ट शैली से अमीन सयानी जी श्रोताओं के लिए रेडियो के पर्याय बन चुके थे। उनके शब्दों और वाणी का प्रभाव किसी भी दृश्य को जीवंत कर देता था। उनका निधन कला जगत में एक युग का अंत है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। परिजनों के प्रति संवेदनाएं। .इस महान आइकन का 91 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। एक बाकिया है कि 2014 में इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार,81 साल की उम्र में जब अमीन सयानी सितारों की जवानियां नामक एक शो की मेजबानी कर रहे थे,सयानी ने बताया कि कैसे उन्होंने बच्चन के ऑडिशन का मौका गंवा दिया,जो आगे चलकर हिंदी सिनेमा के शहंशाह बन गए। 1991 में हृषिकेश मुखर्जी की फिल्म आनंद की रिलीज के बाद ही उन्हें पता चला कि फिल्म में जिस आदमी की आवाज उन्हें पसंद थी,वह वही आदमी है जो रेडियो प्रस्तोता बनने का सपना लेकर उनके पास आया था, जिससे उन्होंने मिलने से इनकार कर दिया था पहले भी कई बार जब अमिताभ लोकप्रिय नहीं थे। मुझे भी सिलोन रेडियों के एक श्रोता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।मैं उन्हें दिल से प्यार करता हूँ। 80 के दशक में मनोरजंन के गिने चुनें साधन हुआ था।खासकर गाँव में ।ऐसे रेडियों पर कई ज्ञानवर्दक व मनोरंजन कार्यक्रम रेडियों पर आते थें।इन मुघर संगीत के कार्यकम प्रत्येक शुक्रवार की शाम आठ बजे हिन्दी फिल्मी गीतों का कार्यक्रम बिनाका टॉप नाम सें श्री लंका के सिलोन रेडियों पर आता था। खासकर साल के अन्त में बिनाका टॉप 10 गीतो का चयन अमीन सयानी जी के कुशल नेतृत्व में किया जाता था।

विचार मंथन

न्याय के प्रतीक,न्याय के भीष्म पितामह नरीमन का निधन

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय न्यायपालिका में सूर्य की तरह न्याय का तेज बनाए रखने के लिए, पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता फली सेम नरीमन का असाधारण योगदान था। उनका 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। लगभग 70 वर्षों तक वह न्यायपालिका में न्याय के लिए अपनी सेवाएं देते रहे। पक्ष हो या विपक्ष न्यायालय में उन्होंने हमेशा न्याय के पक्ष में अपनी बात कही है। वह किसी भी पक्ष और विपक्ष से प्रभावित हुए बिना, केवल न्याय के लिए काम करते थे। इसी गुण के कारण उन्हें न्याय का भीष्म पितामह क्या कहा जाने लगा। 1991 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से तथा 2007 में पद्म विभूषण से अलंकृत किया था। न्यायालयों में किसी भी विषय में पक्ष रखते हुए, उन्होंने न्याय को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा। उन्होंने पक्ष और विपक्ष की और से पैरवी नहीं की। उन्होंने हमेशा कोर्ट में न्याय के पक्ष में अपनी बात रखी। यदि वह किसी बात से असहमत हुए। तो उन्होंने न्याय के लिए उस कैस से अलग होकर न्याय के लिए समर्पित रहे। यही उनकी मनुष्य जीवन और न्याय के प्रति सच्ची आराधना थी। नरीमन का जन्म वर्मा में हुआ था। उनकी पढ़ाई मुंबई और शिमला में हुई। 1950 से उन्होंने मुंबई हाईकोर्ट में वकालत शुरू की। 1961 में वह मुंबई हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील बने। 1972 से सुप्रीम कोर्ट में पेरवी शुरू की। केंद्र सरकार ने उनकी असाधारण क्षमता को देखते हुए 1972 में अपना अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया। 26 जून 1975 को जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की। उससे वह असहमत थे। जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनकी बात नहीं मानी, तो उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कभी भी आर्थिक पक्ष को ध्यान में रखते हुए मुकदमों में पैरवी नहीं की। जिस प्रकरण में उन्हें लगता, कि वह न्याय के लिए काम कर रहे हैं। उसी प्रकरण में वह न्यायालय में अपने पक्षकार का पक्ष रखते थे। न्याय पाने के लिए वह अपनी सारी ताकत उसे केस में लगाते थे। लगभग 20 वर्षों तक वह बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद पर रहे। केशवानंद भारती जैसे ऐतिहासिक न्यायिक मामलों मे उन्होंने पैरवी की। भोपाल गैस त्रासदी, नर्मदा विस्थापन, न्यायपालिका के लिए कॉलेजियम सिस्टम और जय ललिता की आय से अधिक संपत्ति जैसे मामलों में भी उन्होंने पैरवी की। भोपाल गैस त्रासदी मामले में उन्होंने यूनियन कार्बाइड की ओर से पैरवी की थी। उन्हें इसके लिये जीवन भर पछतावा रहा। उनका मानना था, कि जहां इतने बड़े पैमाने पर जहरीली गैस से हजारों लोगों की मौत हुई थी। हजारों लोग गैस के कारण आजीवन बीमारी के शिकार हो गए थे। ऐसी स्थिति में उन्हें यूनियन कार्बाइड की ओर से ना लड़कर, गैस त्रासदी के जो पीड़ित थे। उनके पक्ष में न्याय के लिए पैरवी करनी चाहिए थी। नर्मदा पुनर्वास प्रकरण में वह गुजरात सरकार की ओर से पेरवी कर रहे थे। इस दौरान ईसाई समुदाय पर हमले हुए, बाइबिल जलाई गई। गुजरात सरकार के समक्ष इस बात को ज़ब उन्होंने रखा। गुजरात सरकार ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। तो वह नर्मदा पुनर्वास केस से अलग हो गए। आपातकाल के विरोध में भी उन्होंने केंद्र सरकार का पद छोड़कर न्याय और भारतीय संविधान के प्रति अपनी आस्था को बनाए रखा। 70 साल की वकालत में उन्होंने कभी भी अन्याय का साथ नहीं दिया। यह उनके जीवन की गौरवपूर्ण उपलब्धि रही। फली सेम नरीमन, न्याय की दुनिया में एक ऐसे व्यक्तित्व थे। जो न्याय के हित में अपनी बात कहते थे। उनकी यह कोशिश रही है, कि न्यायपालिका के माध्यम से लोगों को वास्तविक न्याय मिले। वह जब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में किसी केस में पैरवी करते थे। तब उनके मन मस्तिष्क में पंच परमेश्वर के वह सब गुण विद्यमान होते थे।

जिसमें सभी पक्षों के साथ न्याय हो। न्यायालय में वह न्याय के लिए ही अपना पक्ष रखते थे। 95 साल की उम्र में भी वह सक्रिय रहे। इलेक्ट्रोल बांड के मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण नरीमन के संपर्क में थे। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रोल बांड को लेकर जो फैसला दिया। उसके बाद उन्होंने प्रशांत भूषण को चिट्ठी लिखकर बधाई भी दी। संविधान पीठ के कई मामलों में सुनवाई के लिए वह स्वयं तैयारी करते थे। सहयोगी अधिवक्ताओं के लिए मार्गदर्शन का काम भी करते थे। इस उम्र में भी वह स्वयं पैरवी के लिये उपस्थित होते थे। न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए उन्होंने लगातार संघर्ष किया है। जिसके कारण उन्हें न्यायिक क्षेत्र में उनका भीष्म पितामह के रूप में सम्मान था। प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत की रैंकिंग गिरने पर उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए, प्रेस की स्वतंत्रता, आम व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल संवैधानिक अधिकार के लिए लड़ाई लड़ते लड़ते रहे।

संगीत से रहे स्वस्थ निरोगी काया

एक तरफ जहां योग्य से मनुष्य शरीर, मन और मस्तिष्क को साधता है, वहीं संगीत हमारी आत्मा को शुद्ध करता है। संगीत का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं है, आधुनिक एवं मीडिया में बने रहने के इच्छुक संगीतज्ञों को छोड़ दिया जाए तो हर तरह का संगीत शुद्धता व पवित्रता पर जोर देता है। स्वरों की उपासना, रियाज, शास्त्र शुद्ध पद्धति द्वारा आराधना कर अंतर्मन में गहराई तक उतारना संगीत का मुख्य लक्ष्य है। इसलिए संगीत शास्त्र व आध्यात्मिक एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, क्योंकि दोनों का उद्देश्य समान है आत्म साक्षात्कार।

मानव जीवन की आवश्यकताओं में पहला सुख निरोगी काया माना गया है। निरोगी शरीर व मस्तिष्क हर किसी के लिए आवश्यक है। आत्म साक्षात्कार हेतु प्रयासरत कई साधक बीमार शरीर के कारण प्रगति नहीं कर पाते हैं। जिस प्रकार संगीत एक उपासना का तरीका है। उसी प्रकार का योग शास्त्र जीवन का मित्र है। यदि शरीर स्वस्थ रहे तो हम जीवन का आनंद ले सकते हैं।संगीत में रियाज के लिए एकाग्रता की आवश्यकता होती है। योग शास्त्र हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक है। मन की, मस्तिष्क की एकाग्रता, प्रसन्नचित्त व्यक्तित्व योग शास्त्र की देन है।संगीत में स्वरों की शुद्धता पर जोर दिया जाता है, पर योग शास्त्र में आसन व मुद्राओं पर जोर दिया जाता है। दोनों में ही स्वर व मुद्रा की श्रेष्ठता से आनंद और स्वास्थ्य पाया जा सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो दोनों शास्त्र एक-दूसरे के पूरक हैं।

संगीत साधना फिर चाहे गायन हो, वादन हो, कलाकार को एक ही मुद्रा में घंटों बैठे रहना पड़ता है। उसी तरह से योग में भी एक अवस्था में बैठना आवश्यक है। संगीत में एक ही स्थान पर साधना करने के लिए शरीर, मन व मस्तिष्क पूर्ण स्वस्थ होना चाहिए। इसके लिए योग सर्वश्रेष्ठ है। योग से शरीर, मन, मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। मनुष्य एकाग्र रहता है व प्रसन्न मन से काम करता है। विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा यह सिद्ध हो चुका है कि संगीत साधना व योग साधना दोनों से मनुष्य के जीवन में शक्ति का विकास होता है। अतः कहा जा सकता है कि शरीर तथा मन को स्वस्थ्य, प्रफुल्लित रखने के लिए योग शास्त्र व संगीत शास्त्र दोनों समान रूप से आवश्यक है। दोनों से शरीर, मन, मस्तिष्क स्वस्थ रहता है, एकाग्रता रहती है। योग की तरह ही संगीत से तनाव भी दूर होता है। संगीत का असली आनंद सड़क पर, बगीचे में, बरामदे में, छत पर सुबह, शाम घूमते हुए उठाना चाहिए। रात में सोने से 2 घंटे पहले सुपाच्य भोजन करना चाहिए और दिन में कम से कम एक बार दिल खोलकर हंसना चाहिए।

बरतें सावधानी

गर्भ–निरोधक का कोई भी उपाय करने से पहले डॉक्टर से दवाओं के असर, इनके असफल होने की संभावना और गर्भाशय से बाहर गर्भ धारण की संभावनाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी प्राप्त कर लें। डॉक्टर की सलाह पर ही आप अपने लिए सही विकल्प चुनें।

अनचाही प्रेग्नेंसी रोकने खाएं गर्भ-निरोधक टैबलेट्स

किसी नन्हीं जान को धरती पर लाने का निर्णय आज के दौर में सोचा-समझा होना चाहिए। सोचिए! न चाहते हुए अगर कभी आपको कंसीव करना पड़े, तो आप उस स्थिति में क्या करेंगी? आपके पास दो ही रास्ते होंगे। या तो आप अनचाही प्रेग्नेंसी को स्वीकार करें या फिर अबॉर्शन करवाएं। अबॉर्शन यानी गर्भपात इतना आसान भी नहीं होगा। इसमें शारीरिक बल्कि मानसिक पीड़ा से भी आपको गुजरना पड़ता है। यह आपकी जान के लिए खतरा भी बन सकता है। इससे बेहतर तो यही होगा कि आप पहले से सही प्रोटेक्शन लें ताकि इस तरह की समस्या आपकी जिंदगी में आए ही नहीं। जी हां, हम बात कर रहे हैं कॉन्ट्रासेप्टिव यानी गर्भ-निरोधक उपायों की।

अब आपके मन में यह सवाल भी उठता होगा कि गर्भ-निरोधक के लिए गोली सही है या फिर इंजेक्शन। आपका सवाल जायज ही है, विशेषकर तक जब बाजार में कई सारे विकल्प हों। आपको यहां हम कुछ विकल्पों के बारे में बता रहे हैं:

आई पिल्सः अनचाही प्रेग्नेंसी को रोकने का सबसे सटीक उपाय है इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स, जैसे कि आई पिल। यह पिल्स असुरक्षित सेक्स या किसी अन्य कॉन्ट्रोसेप्टिव के नाकाम होने के बाद अनचाही प्रेगनेन्सी को रोकने का एक सुरक्षित और सरल तरीका है। यह तीन तरीके से काम करती हैः पहला यह ओवरी से निकलने वाले एग्स को बाहर आने से रोकती है।

दूसरा, अगर कोई एग बाहर आ गया है, तो ये स्पर्म को उसे फर्टिलाइज करने से रोकती है और तीसरा, अगर एग पहले ही फर्टिलाइज हो चुका है, तो ये उसे गर्भाशय से जुड़ने से रोकती है। लेकिन यह तभी सफल होता है, जब इसे असुरक्षित सेक्स के बाद जल्द-से-जल्द, यानी 72 घंटों के भीतर ले लिया जाए।जितनी जल्द आप इसका इस्तेमाल करेंगी, उतना ही ज्यादा असरदार सिद्ध होगा। यह विकल्प सुरक्षित तो है, लेकिन रेग्युलर बर्थ कंट्रोल के तौर पर इसका लगातार प्रयोग करना ठीक नहीं है। इसे एक महीने में एक से ज्यादा बार इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन इसे एक इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्टिव के तौर पर ही इस्तेमाल करें। ये इमरजेंसी पिल्स आपको अबॉर्शन के शारीरिक व मानसिक कष्ट से तो बचाती ही है, हॉस्टिपल के भागदौड़ और खर्चों से भी छुटकारा दिलाती है।

ये भी हो सकते है विकल्प

गर्भनिरोधक गोलियां- गर्भनिरोधक गोलियां जिन्हें सामान्यतः 'पिल्स' कहा जाता है, ओस्ट्रोजेन और प्रोजेस्टोजेन का सम्मिलित रूप हैं। गर्भनिरोधक गोलियों के नियमित इस्तेमाल से पीरियड्स कम पीड़ादायक और नियमित हो जाता है। हालांकि कुछ महिलाओं को गर्भनिरोधक गोलियों के लगातार इस्तेमाल से सिर दर्द, थकावट, त्वचा संबंधी परेशानियां आदि समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है।

मिनी पिल्सः गर्भनिरोधक गोलियों का एक विकसित रूप अब उपलब्ध है, जिसे मिनी पिल (प्रोजेस्टिन ओनली पिल्स) कहते हैं। यदि आप स्तनपान करवा रही हैं, तो यह शरीर में दूध बनने की प्रक्रिया को बदलती नहीं हैं। जब शरीर को पीओपी यानी मिनी पिल की आदत पड़ जाती है, तो इसका कुछ नकारात्मक असर भी दिखने लगता है, जिसमें सिर दर्द आदि प्रमुख है। सामान्यतः दो महीने के बाद ये परेशानियां खत्म हो जाती हैं, पर अगर यही लक्षण लंबे वक्त तक दिखें, तो डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

इन्ट्रा युटरीन डिवाइस (आईयूडा- यह टी अल्फाबेट की आकृति में छोटा-सा, प्लास्टिक का यंत्र है जिसके अंत में धागा लगा रहता है। गर्भधारण को रोकने के लिए आईयूडी को गर्भाशय के अंदर लगाया जाता है। इसमें कॉपर आईयूडी या कॉपर टी ज्यादा प्रचलन में है। इसमें प्लास्टिक ट्यूब के अंदर कॉपर की तार लगी रहती है। एक नई हारमोन कॉपर टी भी उपलब्ध है, जो सामान्य कॉपर टी ज्यादा प्रभावशाली होता है। कॉपर टी को आप पांच से दस साल के लिए लगवा सकती हैं। इन सब के अलावा इंजेक्शन, फीमेल कंडोम आदि भी गर्भनिरोधक के अन्य विकल्प हैं।

रोज खाएं आंवला

आंवला भले ही खट्टा और कसैला हो, पर यह पौष्टिक होता है। आयुर्वेद की अनेक दवाओं में आंवले का प्रयोग खूब किया जाता है। इसे त्रिदोष नाशक भी बताया गया है। यह शारीरिक दुर्बलता को दूर करके शरीर को हृष्ट-पुष्ट बनाता है। आंवले को आप चाहे जिस रूप में सेवन करें, इसकी पौष्टिकता कम नहीं होती है। अमृत आंवला के और भी हैं कई गुणः

सूखे आंवले का एक छोटा चम्मच चूर्ण सुबह-शाम छाछ के साथ खाने से बवासीर की समस्या ठीक होती है।

आंवले के चूर्ण में सेंधा नमक मिलाकर सरसों तेल के साथ मसूड़ों पर मलने से मसूड़ों से रक्त आना बंद हो जाता है। यदि कब्ज आदि की समस्या रहती हो, तो रात को सोते समय आंवले का एक चम्मच चूर्ण पानी के साथ लेने से फायदा मिलता है।

आंवले के आधा चम्मच रस में 3 ग्राम पीपल का चूर्ण और दो चम्मच शहद मिलाकर सेवन करने से खांसी और दमा में आराम मिलता है।

एक चम्मच आंवले के रस में थोड़ा-सा शहद मिलाकर इसे चाटें। पित्त की समस्या दूर होती है। द्यबुढ़ापे में नित्य सुबह-शाम बिना कुछ खाए-पिए आंवले का मुरब्बा सेवन करे, तो व्यक्ति दीर्घजीवी होता है।

तीन ग्राम आंवले के चूर्ण में 6 ग्राम शहद मिलाकर रोजाना एक बार 3द्र दिनों तक खाने से श्वेत प्रदर में लाभ होता है।

प्रतिदिन प्रातःकाल आंवले के मुरब्बे में चांदी का वर्क लगाकर खाने से उच्च रक्तचाप ठीक होता है।

सूखे आंवले तथा जामुन की गुठली दोनों को समभाग लेकर चूर्ण बना लें। प्रतिदिन प्रातःकाल बासी मुंह 7 ग्राम चूर्ण का सेवन गाय के दूध के साथ करने से मधुमेह ठीक हो जाता है। गर्भावस्था के दौरान यदि किसी महिला को वमन की शिकायत हो, तो आंवले का मुरब्बा खाएं।

आंवला और आम की गुठली दोनों को समान मात्रा में पीसकर बालों में लेप करने से सफेद बाल काले, घने, मुलायम तथा चमकदार हो जाते हैं।

यूं रखें दांतों को स्वस्थ

यह सही है कि दांत के दर्द का इलाज महंगा होता है लेकिन अगर थोड़ी सावधानी बरती जाए और कुछ आदतें डाल ली जाएं तो आप लंबे समय तक दांतों के डॉक्टर के पास जाने से बच सकते है क्योंकि डेंटिस्ट के पास लगातार जाना किसी सिरदर्द से कम नही है। यहां पेश है ऐसे ही 10 खास तरीके जिन्हें आजमा कर आप चमकती मुस्कान पा सकते है।

1. दिन में कम से कम आठ से दस ग्लास पानी पिएं। जितना पानी आप पिएंगें उतना ही आपके दांत साफ होंगें। इसके अलावा यह चाय, कॉफी, शराब, सोडा आदि के दागों को भी दांतों से मिटाने में कारगर साबित होगा।
2. अपने खाने में फल और सब्जी शामिल करें। सेब, खीरा, गाजर आपके दांतों को प्राकृतिक रूप से साफ करते हैं। यह आपके दांतों में फंसे खाने को भी निकालते हैं और मसूड़ों की समस्या दूर होती है।
3. खाने के बाद पनीर का टुकड़ा खाने से आपके दांत चमकदार रहते हैं।
4. च्यूइंगम खाने से सलाइवा का निर्माण होता है जो आपके दांतों से प्लाक एसिड को साफ करता है। साथ ही आपके दांतों के इनैमल को मजबूत बनता है।

5. जूस और सोडा पीने के बाद ब्रश नहीं करना चाहिए। हो सके तो कॉफी और वाइन स्ट्रॉ से पिएं। इससे इनका सीधा संपर्क आपके दांतों से नहीं हो पाएगा और आपके दांत हमेशा चमकते रहेंगें।
6. हमेशा सॉफ्ट ब्रश का इस्तेमाल करें। अगर आप सख्त ब्रश का इस्तेमाल करते हैं तो उसे कुछ देर गर्म पानी मे डुबोकर फिर ब्रश करें।
7. चॉकलेट व कैंडी बार भी आपके दांतों के लिए नुकसानदेह हैं। इनकी जगह बादाम, वेजमाइट क्रैकर्स चीज के साथ दही और ताजा फल आदि खाना चाहिए।
8. दांतों के साथ ही जीभ की सफाई भी जरूरी है। टंग क्लीनर का इस्तेमाल रोजाना करें। यह आपके दांतों को हाईजीनिक बनाएं रखता है, साथ ही मुंह से आने वाली बदबू को भी दूर करता है।
9. चीनी और स्टॉर्च का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए। यह बैक्टीरिया पैदा करते हैं जो आपके दांतों को नुकसान पहुंचाते हैं।
10. खाने के बाद दांतों को हाइड्रोजन पेरॉक्साइड से साफ करना चाहिए, ताकि आपके दांतों से बैक्टीरिया दूर हों और वे सुंदर दिखें। मगर हमेशा एक बात का ध्यान रखें कि हाइड्रोजन पेरॉक्साइड को निगलना नहीं चाहिए। इससे सिर्फ गरारे करने चाहिए।

भूखे रहकर न घटाए वजन

यदि आप सोचती है भूखे रहकर वजन घटाना सही है तो यह गलत है। भूखे रहने से न सिर्फ आपके शरीर को नुकसान पहुंचता है बल्कि यह भी हो सकता है कि एक समय बाद आपका वजन और बढ़ जाए।

इसलिए व्यायाम विशेषज्ञों से लेकर चिकित्सकों तक सभी संतुलित और पौष्टिक भोजन एवं एक्सरसाइज के साथ वजन घटाने की सलाह देते हैं न कि भूखे रहने की। बैलेंस डाइट आपके शरीर को सही मात्रा में ऊर्जा देने के अलावा क्रियाशील बनाए रखने में भी मदद करती है। इसलिए ब्रेकफास्ट से लेकर लंच और डिनर तक हर चीज आपके लिए महत्वपूर्ण है। वह भी वक्त पर तथा पौष्टिक तत्वों के साथ।

भूखे रहने से आपके शरीर में पौष्टिक तत्वों की कमी तो होती ही है, बल्कि आप डायबिटीज, उच्च रक्तचाप आदि जैसी कई जीवनशैली जनित बीमारियों के शिकार भी आसानी से बन सकते हैं।

आपकी मसल्स को स्वस्थ तथा क्रियाशील बने रहने के लिए रोज नियमित रूप से पौष्टिक भोजन की आवश्यकता होती है। भूखे रहने से न केवल शरीर की मेटाबॉलिज्म रेट पर विपरीत असर पघ्ता है बल्कि आपका शरीर और तेजी से फैट्स स्टोर करने लगता है। यही कारण है कि जो लोग भूखे रहकर वजन घटाना चाहते हैं वे जब नॉर्मल डाइट पर भी आते हैं तो उनका वजन पहले से कहीं ज्यादा बघ् जाता है।

इसलिए अगर आप फिट रहना चाहते हैं या वजन घटाना चाहते हैं तो पेटभर कर संतुलित और पौष्टिक भोजन खाइए और नारियल के पानी में दूध से ज्यादा पोषक तत्व होते हैं क्योंकि इसमें कोलेस्ट्रोल और वसा की मात्रा नहीं है। नारियल पानी में बेहद गुण पाए जाते हैं। इसमें बहुत ज्यादा मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट और पोटेशियम पाया जाता है, जो ब्लड प्रेशर और दिल की गतिविधियों को दुरूस्त करने में सहयोगी होता है।

ब्राजील से किया 3 हजार टन उड़द का अतिरिक्त आयात, भाव कम हुए

जयपुर । उड़द के भाव कम हो गए हैं। इसकी वजह ब्राजील से उड़द का अतिरिक्त आयात होना बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जयपुर मंडी में दिवाली से पूर्व साबुत उड़द का भाव 108 रुपए प्रति किलो था, जो कि वर्तमान में घटकर 95 रुपए प्रति किलो के आसपास रह गया है। सियाराम ब्रोकर्स के कांति कुमार ने बताया कि उड़द मोगर 115 से 125 रुपए तथा उड़द छिलका दाल 118 रुपए प्रति किलो थोक में बेची जा रही है। बताया जा रहा है कि केन्द्र सरकार ने ब्राजील से 3 हजार टन अतिरिक्त उड़द का आयात किया है। यह मात्रा पहले से इंपोर्ट की जा रही 20 हजार टन उड़द के अतिरिक्त है। आपको बता दें कि देश में उत्पादन में गिरावट आने की आशंका के मद्देनजर सरकार ने बीते नवंबर माह के दौरान ब्राजील के किसानों और कारोबारियों से अरहर एवं उड़द ज्यादा उगाने का अनुरोध किया था। ताकि उत्पादन के स्त्रोतों में बढ़ोतरी हो सके। इस बीच ब्राजील से 3 हजार टन उड़द भारत पहुंच चुका है। इसके अतिरिक्त आयात किए जाने वाला 20 हजार टन उड़द इस साल भारत पहुंच जाएगा। हालांकि केन्द्र सरकार ब्राजील से इंपोर्ट बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। भारत ने पिछले साल 3.1 मिलियन टन दालों का आयात किया था। इसमें आधे से ज्यादा मात्रा मसूर दाल की थी। बता दें कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक देश है। इसके बावजूद खपत अधिक होने के कारण भारत को अरहर, मसूर और उड़द दाल का आस्ट्रेलिया, कनाड़ा, रूस, म्यांमार, मोजाम्बिक, तंजानिया, सूडान एवं मालावी से आयात करना पड़ता है। हालांकि भारत में वर्ष 2011 से डिमांड और सप्लाई के अंतर में कुछ सुधार आया है। मगर इसके बावजूद हर साल करीब तीन मिलियन टन दालों का आयात करना पड़ता है।

भारत ने रूसी तेल से बने पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किए

नई दिल्ली । जी7 देशों को भारत की तरफ से निर्यात किए जाने वाले एक तिहाई पेट्रोलियम उत्पाद लगभग 6.65 अरब डॉलर रूसी कच्चे तेल से निकाले गए थे। एक यूरोपीय थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया है कि कैसे जी7 देशों ने प्रतिबंध लगाकर रूसी कच्चे तेल को खरीदने से परहेज किया, लेकिन तीसरे देश को उससे निकाले जाने वाले उत्पादों के निर्यात की अनुमति दे दी। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद उसको दंडित करने के लिहाज से तेल खरीद पर प्रतिबंध के साथ ही विकसित देशों ने मूल्य सीमा जैसे कदम उठाए थे। फिनलैंड की सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों का सबसे ज्यादा निर्यात रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी से किया गया। यहां से यूरोपीय देशों को 5.2 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किए गए। भारत ने पेट्रोलियम उत्पादों को निकालने के लिए 3.02 अरब यूरो का रूसी कच्चा तेल आयात किया। अकेले अमेरिका को 1.2 अरब यूरो के पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया। इन पेट्रोलियम उत्पादों को बनाने के लिए 73.3 करोड़ डॉलर का रूसी कच्चा तेल आयात किया गया।

उसना चावल पर जारी रहेगा 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क: सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि उसना चावल के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क 31 मार्च के बाद भी जारी रहेगा। स्थानीय स्तर पर पर्याप्त भंडारण और घरेलू कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए 25 अगस्त, 2023 से 16 अक्टूबर, 2023 तक उसना चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया गया था। हालांकि बाद में इसे 31 मार्च 2024 तक के लिए बढ़ा दिया गया था। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क बिना किसी अंतिम तिथि के 31 मार्च के बाद भी जारी रहेगा। इसके अलावा पीली मटर का शुल्क-मुक्त आयात 31 मार्च के बाद भी जारी रहेगा बशर्ते कि उसका बिल 30 अप्रैल, 2024 या इससे पहले जारी किया गया हो।

गन्ने का एफआरपी बढ़ाने के बाद चीनी कंपनियों के शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का उचित व लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 25 रुपये बढ़ाकर 340 रुपये प्रति क्विंटल करने के एक दिन बाद गुरुवार को शुरुआती कारोबार में चीनी कंपनियों के शेयर में तीन प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। बीएसई पर सूचीबद्ध राणा शुगर्स का शेयर 3.21 प्रतिशत गिरकर 25.35 रुपये पर, मवाना शुगर्स का शेयर 2.81 प्रतिशत गिरकर 101.70 रुपये पर, राजश्री शुगर्स एंड केमिकल्स का शेयर 2.50 प्रतिशत गिरकर 72.62 रुपये पर, श्री रेणुका शुगर्स का शेयर 2.41 प्रतिशत गिरकर 48.50 रुपये पर, केसीपी शुगर एंड इंडस्ट्रीज का शेयर 2.20 प्रतिशत गिरकर 40.87 रुपये पर और ईआईडी पैरी (इंडिया) का शेयर 1.57 प्रतिशत गिरकर 629.20 रुपये पर आ गया। डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज का शेयर 1.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 403.15 रुपये प्रति शेयर पर, बलरामपुर चीनी मिल्स का शेयर 1.12 प्रतिशत गिरकर 376.50 रुपये पर, धामपुर शुगर मिल्स 0.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ 248 रुपये पर और त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 347.80 रुपये प्रति शेयर पर आ गया। सरकार ने बुधवार को 2024-25 सत्र के लिए गन्ने का उचित व लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 25 रुपये बढ़ाकर 340 रुपये प्रति क्विंटल करने की मंजूरी दे दी थी दी। गन्ने का नया सत्र अक्टूबर से शुरू होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 2014 में सत्ता में आने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी एफआरपी है।

जापान का सूचकांक निक्की सर्वकालिक उच्च स्तर पर

तोक्यो। जापान का सूचकांक निक्की 225 गुरुवार को 1989 में बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 39,098.68 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही सूचकांक 34 साल के उच्चतम स्तर को पार कर गया। 29 दिसंबर 1989 को यह 38,915.87 पर पहुंच गया था। सूचकांक गुरुवार को 2.2 प्रतिशत बढ़कर 39,098.68 अंक पर बंद हुआ। जापान की अर्थव्यवस्था 2011 में भीषण भूकंप, सुनामी और पूर्वोत्तर जापान में फुकुशिमा दाई-इची परमाणु ऊर्जा संयंत्र में नुकसान के बाद से काफी चरमराई। हालांकि हाल के महीनों में बाजार में तेज बढ़त दर्ज की गई, जिसे विदेशी निवेशकों की मजबूत रुचि से काफी बल मिला है।

स्पाइसजेट ने अतिरिक्त 316 करोड़ हासिल किए

मुंबई । विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने 316 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जुटा ली है, जिससे शेयर निर्गम के जरिए उसकी कुल जुटाई गई धनराशि 1,060 करोड़ रुपये हो गई है। संघर्षरत एयरलाइन में ताजा पूंजी निवेश हाल ही में अपने कार्यबल में 10 से 15 प्रतिशत की कटौती की घोषणा के बीच आया है। कंपनी ने बताया` कि स्पाइसजेट के निदेशक मंडल की तरजीही आवंटन समिति ने 21 फरवरी 2024 को एरीज़ अपॉर्चुनिटीज फंड लिमिटेड सहित दो निवेशकों को तरजीही आधार पर 4.01 करोड़ इक्विटी शेयर के आवंटन को मंजूरी दे दी। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा कि कंपनी ने कुल 1,060 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है। यह महत्वपूर्ण पूंजी निवेश स्पाइसजेट की विकास संभावनाओं में निवेशकों के विश्वास की पुष्टि करता है और भविष्य के लिए हमारी वित्तीय स्थिति को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त वित्त पोषण से स्पाइसजेट को अपनी विस्तार योजनाओं को आगे बढ़ाने और अपनी परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी। विमान बेड़े की जानकारी रखने वाली एक वेबसाइट के अनुसार 21 फरवरी तक एयरलाइन के 65 विमान बेड़े में से केवल 35 विमान सेवा में थे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 535 , निफ्टी 162 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी के साथ ही धातु और आईटीसी के शेयरों में उछाल से भी बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.74 फीसदी करीब 535.15 अंक बढ़कर 73,158.24 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 162.40 अंक तकरीबन 0.74 फीसदी ऊपर आकर 22,217.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान

सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक का शेयर सबसे ज्यादा 3.12 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा आईटीसी का शेयर भी 2.73 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके अलावा टीसीएस , टेक महिंद्रा, विप्रो, इन्फोसिस जैसे आईटी शेयर भी आज सुधार के साथ बंद हुए। दूसरी ओर इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे ज्यादा टटा। इसके अलावा एचडीएफ़सी बैंक, कोटक बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर भी नीचे आये।आज बाजार शुरुआती गिरावट से उबरने में कामयाब रहा और लाभ के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों से बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट देखने को मिल रही है लेकिन बैंक निफ्टी करीब 100 अंक नीचे गिरकर कारोबार करता हुआ दिखाई दिया। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी आईटी में मजबूत कारोबार होता हुआ नजर आया। सेंसेक्स 45 अंक नीचे 72,578 पर शुरुआती कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी 3 अंक नीचे 22,052 के स्तर पर था।

बैंक निफ्टी भी 65 अंक गिरकर 46,953 पर शुरुआती कारोबार कर रहा था।

पेटीएम के शेयर एक हफ्ते में 22 फीसदी चढ़ें

- पेटीएम का शेयर 395.05 के मुकाबले 400.00 रुपये के भाव पर खुला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार 7वें कारोबारी सत्र में चल रही गिरावट के बीच पेटीएम के शेयर में तेजी देखने को मिली। बुधवार को शेयर 395.05 रुपये के मुकाबले 400.00 रुपये के भाव पर खुला। इसके बाद शेयर 402 रुपये के भाव पर पहुंच गया। एक नई रिपोर्ट के अनुसार 600 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ पेटीएम अपनी आउटपरफॉर्म रेटिंग बनाए रख रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पेटीएम पर हुई सख्त कार्रवाई असर अब कम होता` दिखाई दे रहा है। शेयरों में तेजी देखी जा रही है। रिपोर्ट की मानें तो आरबीआई की कार्रवाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक तक ही सीमित है। इस कार्रवाई का कंपनी के पूरे कारोबार पर असर होने की संभावना कम या नहीं के बराबर है। कंपनी के पेटीएम पेमेंट बैंक के वॉलेट और फास्टैग जैसे प्रोडक्ट में गिरावट के साथ, ब्रोकरेज का अनुमान है कि पेमेंट जीएमवी में 5 फीसदी की गिरावट होगी और मार्जिन पर वर्तमान में 0.09 फीसदी 0.04 फीसदी का सबसे खराब असर होगा। पेटीएम के शेयरों में एक बार फिर से तेजी लौट आई है। इस तेजी के पीछे एक- दो नहीं बल्कि कई वजह है। इसमें आरबीआई द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 15 दिन की मोहलत देना। पेटीएम के आला अधिकारियों द्वारा हाल में दिए गए पॉजिटिव बयान शामिल है। इसके अलावा पिछले सप्ताह ईडी ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक द्वारा किए गए वैश्विक ट्रांजेक्शन की जांच करने की घोषणा की थी। ईडी द्वारा शुरू की गई संभावित विदेशी मुद्रा उल्लंघन की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी का पता नहीं चला है। पेटीएम ने 16 फरवरी को अपना मुख्य खाता पेटीएम पेमेंट्स बैंक से हटाकर एक्सिस बैंक में ट्रांसफर कर दिया है। हाल ही हुए इन घटनाक्रमों के कारण पेटीएम पर निवेशकों का विश्वास एक बार फिर से लौटता दिख रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म ने पेटीएम को 600 रुपये प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है।

एचसीएलटेक वैश्विक सेमीकंडक्टर नवाचार बढ़ाने इंटेल से कर रही साझेदारी

नई दिल्ली ।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज (एचसीएलटेक) वैश्विक सेमीकंडक्टर नवाचार को बढ़ाने के लिए इंटेल फाउंड्री के साथ दीर्घकालिक सहयोग का विस्तार कर रही है। एक खबर के अनुसार यह साझेदारी एक मजबूत और विविध आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने के लिए इंटेल फाउंड्री की उन्नत प्रौद्योगिकी विनिर्माण क्षमताओं के साथ एचसीएलटेक की डिजाइन विशेषज्ञता को एक साथ लाती है, जो नवाचार तथा उत्कृष्टता के एक नए युग का प्रतीक है। इसका मकसद सेमीकंडक्टर निर्माताओं, प्रणाली ओईएम (मूल उपकरण निर्माताओं) और क्लाउड सेवा प्रदाताओं के लिए अनुकूलित सिलिकॉन समाधान विकसित करना है। एचसीएलटेक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इंटेल फाउंड्री की उन्नत प्रौद्योगिकियां और विनिर्माण तथा उन्नत पैकेजिंग में सिलिकॉन-सत्यापित आईपी हमारे पारस्परिक ग्राहकों के लिए अभिनव, सुलभ व विविध समाधानों की हमारी आपूर्ति को मजबूत करते हैं। हम एक मजबूत तथा खुले परिवेश को बढ़ावा देने के लिए एचसीएलटेक के साथ अपने सहयोग को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं।

रिलायंस आईआईटीएस मिलकर बनाएगी देसी एआई चैटबॉट हनुमान

- कंपनी देश के 8 आईआईटीएस के कंसोर्टियम के साथ मिलकर कर रही है तैयार

नई दिल्ली ।

भारत के कारोबारी प्रमुख और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अगले महीने चैटबॉट के जैसा एआई चैटबॉट 'हनुमान' को लॉन्च करने वाले हैं। इसे तैयार करने के लिए कंपनी देश के 8 आईआईटीएस का कंसोर्टियम के साथ मिलकर तैयार कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर में भारत के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि साबित करने जैसा होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज और देश के 8 आईआईटी द्वारा समर्थित भारतजीपीटी ग्रुप ने मुंबई में एक टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस के दौरान ये एआई चैटबॉट की झलक दिखाई। इस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक वीडियो में दक्षिण भारत में एक मोटरसाइकिल मैकेनिक ने तमिल भाषा में एआई बॉट से बात की। इसके अलावा, एक बैंकर ने हिंदी में बॉट से बातचीत की और एक हैदराबाद के डेवलपर ने कंप्यूटर कोड लिखने के लिए इस बॉट का इस्तेमाल किया। एक रिपोर्ट के अनुसार इस एआई मॉडल को हनुमान नाम दिया गया है। अगर यह मॉडल सफल रहा तो भारत के लिए यह एआई की दुनिया में एक मील का पत्थर साबित होगा। आईआईटी बॉम्बे के कंप्यूटर विज्ञान और एक इंजी नियर ने बताया कि यह एक लार्ज लैंग्वेज मॉडल है। भारत जीपीटी का यह मॉडल हेल्थ केयर, गवर्नेंस, फाइनेंशियल सर्विसेज और एजुकेशन जैसे चार मुख्य क्षेत्रों में 11 स्थानीय भाषाओं में काम करेगा। इसके अलावा, हनुमान के पास स्पीच-टू-टेक्स्ट कैपेबिलिटी भी होगी। उन्होंने कहा कि रिलायंस जियो स्पेसिफिक यूजर्स के लिए कस्टमाइज्ड मॉडल्स बनाएगा। इस मॉडल को तैयार करने में आईआईटी मुंबई भी शामिल है। इसमें वायरलेस कैरियर रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड और भारत सरकार का भी समर्थन प्राप्त है।

ब्लूस्मार्ट ने टाटा पावर के साथ बिजली खरीद पर किया समझौता

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी राइड हेलिंग सेवा प्रदाता ब्लूस्मार्ट ने हरित ऊर्जा के स्त्रोत के लिए टाटा पावर के साथ एक बहुवर्षीय बिजली खरीद समझौता किया है। ब्लूस्मार्ट ने एक बयान में कहा कि बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (टीपीटीसीएल) द्वारा राजस्थान के बीकानेर जिले में टाटा पावर के 200 मेगावाट के सौर पीवी बिजली संयंत्र से 30 मेगावाट क्षमता प्राप्त की जाएगी। ब्लूस्मार्ट के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम बड़े पैमाने पर गतिशीलता को पूरी तरह से कार्बन मुक्त करने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।हम अपने ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे को 100 प्रतिशत स्वच्छ बिजली के साथ शक्ति प्रदान करते हैं। इस दिशा में टाटा पावर के साथ अपने गठबंधन को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं। टीपीटीसीएल के अे धिकारी ने कहा कि ब्लूस्मार्ट के साथ हमारी साझेदारी उन्हें देश में कार्बन मुक्त गतिशीलता लाने में मदद करेगी। हम अपने टिकाऊ, अभिनव और किफायती ऊर्जा समाधानों के जरिए अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में कई उद्योगों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें कि ब्लूस्मार्ट करीब 6,000 ईवी संचालित करती है। यह दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और बेंगलुरु में अपने 35 ईवी चार्जिंग हब में 4,000 ईवी चार्जर का स्वामित्व तथा संचालन भी करती है।

किसानों को दलहन और तिलहन की उपज बढ़ानी होगी: नीति आयोग

नई दिल्ली ।

नीति आयोग की एक नई रिपोर्ट में बताया गया है कि किसानों को जल्द से जल्द गेहूं और चावल के बजाय दलहन और तिलहन की खेती बढ़ानी पड़ेगी। रिपोर्ट कहती है कि 2047-48 तक देश में दलहन-तिलहन की मांग उपज से ज्यादा हो जाएगी और उसे काबू में करने के लिए गेहूं-चावल उगाने वाले किसानों को इन फसलों का रुख करना पड़ेगा। कृषि में मांग और आपूर्ति अनुमान पर कार्य समूह की यह रिपोर्ट जारी की गई है, जिसके मुताबिक सामान्य स्थिति में 2047-48 तक भारत में दलहन का उत्पादन बढ़कर 4.7 करोड़ टन हो जाएगा, जो 2019-20 में करीब 2.3 करोड़ टन था। मगर इस दौरान मांग बढ़कर तकरीबन 4.9 करोड़ टन हो जाएगी, जिस हिसाब से करीब 20 लाख टन दलहन की कमी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है` कि दलहन की मौजूदा उपज मांग को पूरा करने के लिए काफी नहीं है। अगर इसका रकबा और उत्पादन नहीं बढ़ा तो यह अंतर आगे भी बना रह सकता है। खाद्य तेलों के मामले में भी स्थिति ऐसी ही है। रिपोर्ट के अनुसार 2047-48 तक तिलहन की मांग बढ़कर 3.1 करोड़ टन हो जाएगी, जो 2019-20 में 2.2 करोड़ टन थी। लेकिन इस दौरान खाद्य तेलों का उत्पादन 2019-20 के 1.2 करोड़ टन से बढ़कर करीब 2.4 करोड़ टन ही हो पाएगा। ऐसे में मांग और आपूर्ति के बीच करीब 70 लाख टन का अंतर आ जाएगा। तिलहन की पैदावार बढ़ाई गई और दूसरे स्त्रोतों से उत्पादन भी बढ़ा तो निकट भविष्य में यह अंतर कम किया जा सकता है और आगे जाकर हम इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इसके विपरीत चावल की मांग 2030-31 में 11 करोड़ टन और 2047-48 में 11.4 करोड़ टन होने का अनुमान है, जबकि सामान्य स्थिति में इसका उत्पादन 2030-31 में 14.5 करोड़ टन और 2047-48 में 15.4 करोड़ टन रहने के आसार हैं। गेहूं का उत्पादन भी भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं 2030-31 में 1.9 से 2.6 करोड़ टन और 2047-48 में 4 से 6.7 करोड़ टन गेहूं अधिशेष भी रह सकता है यानी जरूरतें पूरी होने के बाद भी देश में इतना गेहूं बचा रहेगा।

मेटल शेयरों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजारों में गुरुवार को फिर जोरदार तेजी देखने को मिली। हालांकि रिकॉर्ड स्तरों पर पहुंचने के बाद मुनाफावसूली का दबाव देखने को मिला। गुरुवार के कारोबारी सत्र में मेटल शेयरों में अच्छी तेजी देखी गई। निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 2 फीसदी तक चढ़ गया. टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, सेल और हिंडाल्को के शेयरों में अच्छा कारोबार देखने को मिला। दरअसल कोकिंग कोल की कीमतों में वृद्धि के बाद स्टील कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। टाटा स्टील के शेयर में इंट्राडे में लगभग 3.7 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील में 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

जेएसपीएल और सेल में भी क्रमशः 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। कोकिंग कोयला एक प्रमुख कच्चा माल है जिसका उपयोग स्टील के निर्माण में किया जाता है। टाटा स्टील का शेयर 144 रुपये पर बंद हुआ है। बुधवार के कारोबारी सत्र में टाटा स्टील के शेयरों ने 146 रुपये के स्तर को छू लिया था। इस शेयर का रिकॉर्ड हाई 153 रुपये है। बाजार के जानकारों का कहना है कि टाटा स्टील के शेयरों में मध्यम अवधि में 170 रुपये के स्तर तक देखने को मिल सकते हैं।

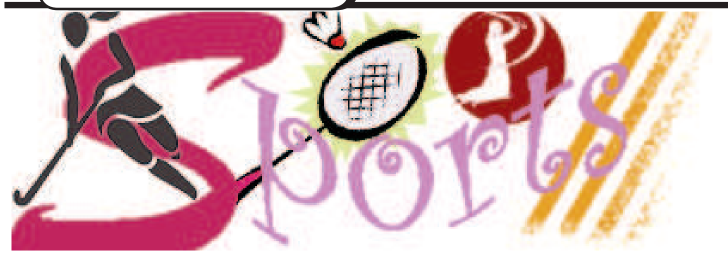

बेयरस्टो की जगह लारेंस को शामिल करें : कुक

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ शुक्रवार से रांची में शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को नहीं रखा जाना चाहिये। कुक के अनुसार बेयरस्टो का प्रदर्शन इस सीरीज में अच्छा नहीं रहा है। वह पिछली छह पारियों में एक बार भी 40 रनों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं। उनका औसत भी 17.00 बेहद खराब रहा है। कुक ने कहा, 'मैं इस खिलाड़ी की भलाई के लिए ही उसे बल्लेबाजी लाइन अप से बाहर करने की बात कह रहा हूं क्योंकि मुझे लगता है कि अभी तक भारत का दौरा उसके लिए कठिन साबित हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वह फिर कभी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलेगा पर अभी ये अच्छा रहेगा कि किसी ऐसे किसी खिलाड़ी को अवसर दिया जाये जिसने अब तक इस सीरीज में नहीं खेला है। कुक ने बेयरस्टो की जगह पर डैन लारेंस को शामिल करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा, 'जब आप रन नहीं बना पा रहे हों तो कुछ गेंदबाज आपके खिलाफ दबाव बनाकर लय बना लेते हैं, इसलिये मैं लारेंस को शामिल करने के पक्ष में हूं। वहीं एक अन्य पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि इंग्लैंड टीम प्रबंधन बेयरस्टो को ही रखेगा।

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम करने उतरेगी

सुबह 9.30 बजे शुरू होगा

रांची ।

भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच को जीतकर पांच मैचों की ये सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अभी अच्छे फार्म में है, ऐसे में उसके पास इस मैच में जीत के अच्छे अवसर हैं। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम इंग्लैंड के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में नहीं हैं, ऐसे में उसके ऊपर इस मैच में दबाव रहेगा। यहां की पिच से स्पिनरों को सहायता मिल सकती है। ऐसे में दोनो ही टीमें अपने-अपने मुख्य तेज गेंदबाजों को आराम दे सकती हैं

भारतीय टीम ने इस मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है। उनकी जगह युवा आकाश दीप या मुकेश मुकार में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। वहीं इंग्लैंड ने तेज गेंदबाज मार्क वुड को आराम दिया है। उनकी जगह ऑली रोबिंसन को शामिल किया है।

भारत अभी सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है और उसकी नजरें इस मैच में जीत के साथ ही घरेलू मैदान पर लगातार 17वीं सीरीज जीतने पर लगी रहेंगी। इससे पहले साल 2012 में एलिस्टर कुक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम से मिली हार के बाद से ही भारतीय टीम ने अपनी धरती पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए 47 टेस्ट मैचों में से 38 में जीत हासिल की थी। विराट कोहली और केएल राहुल के बाहर होने के बाद भी भारतीय बल्लेबाज काफी मजबूत है। कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल ,यशस्वी जायसवाल शानदार फार्म में हैं। यशस्वी ने पिछले मैच में दोहरा शतक लगाया था। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेज गेंद और बल्ले से अबतक शानदार रहे हैं। इसके अलावा युवा सरफराज खान ओर ध्रुव जुरेल ने भी अबतक अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड टीम के प्रमुख बल्लेबाज जो

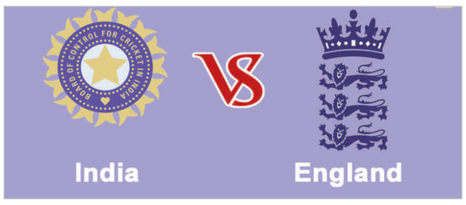

रुट अब तक नाकाम रहे हैं। ऑल पोप और बेन डकेट ही सीरीज में एक-एक शतक लगा पाये हैं। टीम की तेज गेंदबाजी अच्छी है पर उसके स्पिन भारतयीय स्पिनरों जितने अनुभवी नहीं हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), यशवी जयसवाल, शुबमन गिल, रजत पाटीदार या देवदत्त पडिक्कल, सरफराज खान, रवींद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, आर अश्विन, आकाश दीप याह मुकेश कुमार मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड टीम: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फॉक्स, टॉम हार्टले, जेम्स एंडरसन, ओली रॉबिन्सन, शोएब बशीर।

गॉफ दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंची; स्वीयाटेक ने स्वितोलिना को पछाड़ा

दुबई,

विश्व नं. 3 अमेरिकी कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा को 2-6, 6-4, 6-3 से हराकर दुबई टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन गॉफ ने 1 घंटे और 53 मिनट के खेल के बाद प्लिस्कोवा पर जीत हासिल की, और अपने आमने-सामने के मुकाबले में 2-1 से आगे हो गई। इस सप्ताह के डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में पहले से ही कम रैंक वाले विरोधियों द्वारा कई वरीय खिलाड़ियों को हराने के बाद ,गॉफ नवीनतम बड़े नाम वाली दुर्घटना बनने से बच गई क्योंकि वह एक रोलरकोस्टर लड़ाई के बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई जिसने प्रशंसकों को अपनी सीटों पर बांधे रखा। गॉफ का अगला मुकाबला अन्ना कलिंस्काया से होगा, जिन्होंने बुधवार को 2022 दुबई चैंपियन और विश्व नंबर 9 जेलेना ओस्टापेन्का को 6-4, 7-5 से हराया। अन्य मुकाबले में, वर्ल्ड नंबर 1 इगा स्वीयाटेक ने बुधवार रात तीसरे राउंड में नंबर 15 सीड और दो बार की पूर्व चैंपियन एलिना स्वितोलिना को हराया। पोल स्टार ने अब अपने पिछले 26 मैचों में से 25 जीते हैं और शीर्ष 20 खिलाड़ियों के खिलाफ 13 मैचों की जीत की लय में है।इस महीने मध्य पूर्व में लगातार छह मैचों में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए, स्वीयाटेक ने अपने यूक्रेनी प्रतिद्वंद्वी को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां अब उसका सामना चीन की झेंग किनवेन से होगा। वर्ल्ड नंबर 7 झेंग ने अनस्तासिया पोटापोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की। उसने अब शीर्ष 20 से बाहर के खिलाड़ियों के खिलाफ अपने पिछले 27 मैचों में से 26 में जीत हासिल की है और पिछले सप्ताह लेयला फर्नांडीज से उसे एकमात्र हार मिली थी। जबकि स्वितोलिना ने 2017 और 2018 में यहां बैक-टू-बैक खिताब हासिल किए, स्वीयाटेक, झेंग और टूर्नामेंट में शेष छह खिलाड़ी - कोको गॉफ, सोराना क्रिस्टिया, मार्केटा वोंद्रोसोवा, एलेना रिबाकिना, जैस्मीन पाओलिनी और अन्ना कलिंस्काया - हैं, सभी पहली बार खिताब के लिए प्रयासरत हैं।

डब्यूपीएल के शुरुआती मुकाबले में आज आमने-सामने होंगी मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

बेंगलुरु ।

महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्यूपीएल) का दूसरा सत्र शुक्रवार से यहां शुरु होगा। इसमें पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस और पिछली बार की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगा। पिछले साल डब्ल्यूपीएल का पहला टूर्नामेंट मुंबई में खेला गया था पर बार इसका आयोजन बेंगलुरु और नई दिल्ली में किया जा रहा है। मुंबई इंडियंस की कप्तानी हरमनप्रीत कौर जबकि दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग करेंगी। लैनिंग इस बार भी अच्छा प्रदर्शन करने उतरेंगी। पिछले साल के शुरुआती सत्र में उन्होंने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। वहीं मुंबई की गेंदबाज हेली मैथ्यूज ने सबसे अधिक 16 विकेट लिए थे। इस टूर्नामेंट में भारत सहित दुनिया भर की कई उभरती ओर अनुभवी खिलाड़ी खेलेंगी।

पहले सत्र में भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाई थी, ऐसे में अब उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन रहेगा। जिन युवा भारतीय खिलाड़ियों पर सभी की नजरें रहेंगी। उनमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की श्रेयंका पाटिल भी शामिल हैं। श्रेयंका ने पिछले 10 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसी कारण उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का अवसर भी मिला था। वहीं श्रेयंका के अलावा दिल्ली कैपिटल्स की उभरती खिलाड़ी टिटास साधु पर भी सभी की नजरें रहेंगी। पहले सत्र में उन्हें भी अवसर नहीं मिला था।

टिटासने एशियाई खेलों में भारत की तरफ से पदार्पण करते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ चार ओवर में छह रन देकर तीन विकेट लिए थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुंबई में खेले गए टी20 मैच में साधु ने चार विकेट लेकर अपनी क्षमताएं दिखायी थीं। दिल्ली की टीम में एक अन्य युवा खिलाड़ी ऑफ स्पिनर मिन्नू मणि भी शामिल हैं। मणि भी डब्ल्यूपीएल में अपने को साबित करना चाहेंगी। मणि ने अभी तक भारत की ओर से चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों के पास भी इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर भारतय टीम में जगह बनाने का अवसर रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

मुंबई इंडियंस : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अमनजोत कौर,

अमेलिया केर, क्लो ट्रायॉन, हेली मैथ्यूज, हुमैरा काजी, इस्सी वोंग, जिन्तिमनी कलिता, नट साइवर-ब्रंट, पूजा वस्त्राकर, प्रियंका बाला, सैका इशाक, यास्तिका भाटिया, शबनिम इस्माइल, एस सजना, अमनदीप कौर, फातिमा जाफर, कीर्तन बालाकृष्णन।

दिल्ली कैपिटल्स : मेग लैनिंग (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, लौरा हैरिस, शैफाली वर्मा, एलिस कैप्सी, एनाबेल सदरलैंड, अरुंधति रेड्डी, अश्विनी कुमारी, जेस जोनासेन, मारिज़ैन कैप, स्नेहा दीप्ति, मिन्नू मणि, राधा यादव, शिखा पांडे, अपर्णा मंडल , तानिया भाटिया, पूनम यादव, टिटास साधु।

संक्षिप्त समाचार

रांची की पिच को लेकर कोई अंदाजा नहीं लगा सकता : स्टोक्स

रांची । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि उन्हें अंदाजा नहीं है कि शुक्रवार से यहां भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे टेस्ट मैच में पिच किस प्रकार का व्यवहार करेगी। स्टोक्स ने कहा कि उन्होंने यहां की पिच नहीं देखी है, इसलिए ये किस प्रकार का व्यवहार करेगी इस बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। रांची टेस्ट की पिच अपनी गहरी भूरी, अत्यधिक सूखी और टूटी हुई प्रकृति के कारण चर्चा में है। इसी को लेकर टीम के उप-कप्तान ओली पोप ने गत दिवस कहा था कि पिच में पहले से ही दरारें हैं, जिससे संकेत मिलता है कि इसमें टर्न और असामान्य उछाल शुरु से ही रहेगा। स्टोक्स ने कहा, मुझे नहीं पता, मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा है इसलिए मुझे कोई अंदाजा नहीं है। मुझे नहीं पता कि क्या हो सकता है। यदि आप विपरीत छोरों के एक तरफ नीचे देखते हैं यह उससे बिल्कुल अलग दिखता था जिसे मैं देखने का आदी हूं, खासकर भारत में। चेंजिंग-रूम में यह हरा और घास वाला दिखता था पर फिर आप वहां जाते हैं, यह अलग दिखता था। इसमें काफी दरारें थीं। स्पिन के अनुकूल पिच पर स्पिनर टॉम हार्टले, शोएब बशीर और रेहान अहमद को सहायता मिल सकती है। इस मैच में उनकी टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज में वापसी के पयास करना रहेगा। इस मैच में तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह ओली रॉबिन्सन को शामिल किया जा सकता है। स्टोक्स के अनुसार गेंदबाज रॉबिन्सन ने रांची टेस्ट में हिस्सा लेने के लिए कड़ी मेहनत की है और उन्हें भी अवसर मिल सकता है।

नागल शीर्ष 100 से बाहर हुए , युगल में बोपन्ना भारत के शीर्ष खिलाड़ी

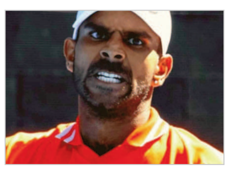

नई दिल्ली । भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमिन नागल विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 से बाहर हो गए हैं। एकल खिलाड़ी नागल को 16 अंकों का नुकसान हुआ जिससे वह एटीपी की ताजा विश्व रैंकिंग में तीन स्थान नीचे खिसककर 101वें स्थान पर पहुंच गये। पिछले साल नागल को एक क्वालीफायर के तौर पर चेन्नई चैलेंजर के सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण 41 अंक का लाभ हुआ था पर वह पिछले सप्ताह बेंगलुरु ओपन में केवल 25 अंक ही हासिल कर पाए जिसे उनकी रैंकिंग नीचे आ गयी। नागल ने इस साल की शुरुआत में ही चेन्नई ओपन का खिताब जीतकर शीर्ष 100 में जगह बनायी थी। वहीं एकल में भारतीय टीम के दूसरे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन हैं। रामकुमार एटीपी रैंकिंग में 42 पायदान ऊपर आकर 420वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इसके बाद शशि कुमार मुकुंद 457 वें, एसडी प्रज्वल देव 595 वें और दिग्विजय प्रताप सिंह 623 वें स्थान पर हैं हालांकि युगल में अब भी रोहन बोपन्ना ही भारत के शीर्ष खिलाड़ी बने हुए हैं। उनके बाद दूसरे नंबर पर युकी भांबरी 60, एन श्रीराम बालाजी 80, विजय सुंदर प्रशांत 81, साकेत मयनेनी 89 और अनिरुद्ध चंद्रशेखर 94 के नंबर आते हैं।

टर्निंग पिच से नहीं डरती इंग्लैंड टीम : ओली

हमारे पास भी अच्छे स्पिनर

रांची ।

इंग्लैंड के उप कप्तान ओली पोप ने भारतीय टीम के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले कहा है कि वह टर्निंग पिच से नहीं डरते हैं। ओली के अनुसार उनकी टीम के पास भी काफी अच्छे स्पिनर हैं। उन्होंने कहा कि 'टर्न' लेती पिच से उनकी टीम को कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि इस मुकाबले में शुरू से ही स्पिनरों को सहायता मिलेगी जिससे मुकाबला बराबरी पर आ जाएगा। साथ ही कहा कि हैदराबाद, विशाखापत्तनम और राजकोट में 'स्पोर्टिंग पिच' होने के कारण स्पिनरों के साथ ही तेज गेंदबाजों ओर बल्लेबाजों को भी सहायता मिली थी। इस प्रकार की पिचें स्पिनरों के लिए ही नहीं सभी प्रकार के गेंदबाजों के लिए लिए लाभदायक होती हैं। साथ ही कहा, 'अगर यहां पहली ही गेंद से स्पिनरों को सहायता मिलती है तो इससे टॉस की भूमिका समाप्त हो जाएगी। इससे मैदान पर मुकाबला बराबरी पर आ जाता है। कई बार शुरू में विकेट सपाट होता है पर फिर यह खराब होने लगता है। इसी प्रकार के विकेट पर हमने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहला टेस्ट जीता था। इसके बाद भारतीय टीम ने दूसरा और तीसरा टेस्ट जीता। साथ ही कहा कि अगर आप थोड़े सपाट विकेट पर पहले बल्लेबाजी करते हैं तो इससे परिणाम तय नहीं होता पर इससे आपको लाभ मिलता है।' पहले टेस्ट में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले ओली का मानना है कि जिस विकेट पर अच्छा टर्न मिलेगा, इससे उनकी टीम को भी विकेट लेने का अवसर मिल जाएगा। साथ ही कहा, 'हम जैसी उम्मीद लगाए हैं, अगर यह थोड़ा इसी तरह व्यवहार करेगा तो हमें लाभ होगा। हमारे पास कुछ युवा स्पिनर हैं जिन्होंने कुछ अच्छी पिचों पर अच्छी गेंदबाजी की है। इससे हमारे लिए भी विकेट लेने के अवसर मिलेंगे।' ओली ने बल्लेबाजी के दौरान भारतीय स्पिनरों के खिलाफ स्वीप शॉट खेलकर स्पिनरों को प्रभावहीन कर दिया था। ओली ने कहा, 'अगर पिच स्पिन करेगी तो हमें और अधिक स्वीप शॉट और नए तरह के शॉट देखने को मिलेंगे। हमने देखा है कि भारतीय स्पिनर स्पिन लेती पिचों पर किस तरह का खतरा पैदा कर सकते हैं। अब हमारा पूरा प्रयास उन्हें दबाव में बनाए रखना होगा जैसा हमने हैदराबाद में दूसरी पारी में किया था। अगर पिच वैसे ही स्पिन करती है तो इसका लाभ हमें होगा।'

आकाश दीप को मिल सकती टेस्ट कैप

रांची ।

जसप्रीत बुमराह की जगह पर बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप को इंग्लैंड के बीच रांची में शुक्रवार से शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। आकाश दीप को इस मैच में टेस्ट कैप मिलने की पूरी उम्मीद है। आकाश दीप अगर पदार्पण करते हैं तो वह तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के साथ गेंदबाजी मुकेश कुमार बचे हुए 2 मैचों के लिए टीम में लौट आए हैं पर कहा जा रहा है कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन आकाश को अवसर देना चाहते हैं। आकाश ने हाल ही में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए की ओर से खेलते हुए 2 मैचों में शानदार गेंदबाजी करते हुए 11 विकेट लिए थे हालांकि मुकेश ने तीसरे टेस्ट से ब्रेक के दौरान बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी खेलकर 10 विकेट लिए थे पर दूसरे टेस्ट में उनके खराब प्रदर्शन के बाद चयनकर्ता अब आकाशदीप को अवसर देना चाहते थे। मोहम्मद सिराज की जगह खेलते उतरे मुकेश ने दूसरे टेस्ट में केवल एक विकेट लिया था। आकाश दीप ने साल 2019 में पदार्पण के बाद से ही 30 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। उन्होंने 23.58 की औसत और 3.03 की इकॉनमी रेट से 104 विकेट लिए हैं। यदि आकाश को अवसर मिलता है तो वह सीरीज में भारत की ओर से खेलने वाले चौथे पदार्पणकर्ता होंगे, इससे पहले रजत पाटीदार, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल को पिछले खेलों में कैप मिली थी।

चौथे टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

एंडरसन और वुड शायद ही चौथा टेस्ट खेलें : आकाश चोपड़ा

रांच । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और मार्क वुड रांची में शुक्रवार से भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले चौथे टेस्ट मैच में शायद ही खेलेंगे। चोपड़ा ने कहा कि रांची की पिच काली मिट्टी की होने के कारण धीमी हो जाएगी। ऐसे में इससे तेज गेंदबाजों को सहायता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, रांची की पिच काली मिट्टी वाली पिच है और यह धीमी होती रहती है। इस पिच में उछाल और गति नहीं है। इसलिए यहां तेज गेंदबाजों को ज्यादा सहायता नहीं मिलेगी। ऐसे में मुझे लगता है कि एंडरसन और वुड को शायद ही जगह मिले। इन हालातों में दो नए गेंदबाजों को अवसर मिल सकता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अगर एंडरसन नहीं खेलते हैं तो तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन को चौथे टेस्ट में अवसर मिल सकता है।उन्होंने कहा, अगर एंडरसन नहीं खेलते हैं, तो रॉबिन्सन खेल सकते हैं क्योंकि वह बहुत अच्छे गेंदबाज हैं। इसके अलावा गस एटकिंसन भी इस टीम में शामिल हैं उन्हें वुड की जगह शामिल किया जा सकता है। वे इस मैच में स्पिनर शोएब बशीर को भी शामिल कर सकता है। मुझे लगता है कि स्पिन आक्रमण इस मैच में हावी रहेगा।

सचिन ने कश्मीर में युवाओं के साथ क्रिकेट खेला

श्रीनगर।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर आजकल अपने परिवार के साथ कश्मीर घाटी के दौरे पर हैं। इस दौरान सचिन ने बर्फबारी का आनंद लेने के साथ ही स्थानीय युवकों के साथ क्रिकेट भी खेला जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें सचिन उरी में कुछ स्थानीय युवकों के साथ सड़क किनारे क्रिकेट खेलते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान ये युवा सचिन के फुटवर्क और उनके शॉट लगाने के तरीके को देखते नजर आये। तेंदुलकर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस वीडियो को साझा करते हुए लिखा क्रिकेट और कश्मीर, स्वर्ग में एक मैच।वहीं कुछ दिन पहले ही उन्होंने श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर चुर्सू में एक क्रिकेट बैट निर्माण इकाई का भी दौरा किया था। तेंदुलकर ने विनिर्माण इकाई में एक घंटा बिताया और प्रशंसकों के एक छोटे समूह से बातचीत की। उन्होंने उन्हें दिए गए पहले बल्ले को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मुझे पहला बल्ला मेरी बहन ने दिया था और वह कश्मीर विलो बल्ला था। अब मैं यहां हूं तो कश्मीर विलो को तो मिलना बनता है।

सचिन ने उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर आखिरी बिंदु अमन सेतु पुल का दौरा किया और जवानों से बात की। अधिकारियों ने बताया कि लगभग एक घंटे तक चली अपनी यात्रा के दौरान तेंदुलकर ने अमन सेतु के पास कमान पोस्ट पर सैनिकों से बातचीत की। इसके अलावा वह दक्षिण कश्मीर के पहलगाम पर्यटन स्थल भी पहुंचे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक अन्य वीडियो में तेंदुलकर को एक उड़ान में अपने साथी यात्रियों से उत्साहित होकर बात करते हुए देखा गया। इस दौरान यात्रियों ने तालियां बजाईं और सचिन-सचिन के नारे लगाए। इसपर सचिन ने भी उनका अभिवादन किया।

अश्विन को नहीं मिला पर्याप्त श्रेय : डिविलियर्स

500 टेस्ट विकेट पूरे करने पर बधाई देते हुए कही ये बात

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन को अपने 500 टेस्ट विकेट पूरे करने पर बधाई देते हुए कहा कि उन्हें पर्याप्त श्रेय नहीं मिला। अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में अपने 500 टेस्ट विकेट पूरे किए थे। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह दूसरे दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं। अश्विन की इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए डिविलियर्स ने कहा है कि जितना उन्हें सराहना मिलनी चाहिये थी वह नहीं मिली। अश्विन गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में भी निचले स्तर पर अहम भूमिका निभाते हैं। ये भी सभी को ध्यान रखना होगा कि भारत की ओर से अभी तक केवल 2 गेंदबाज ही 500 या इससे ज्यादा टेस्ट विकेट ले पाए हैं और इसमें अश्विन दूसरे नंबर पर हैं। वहीं पहले नंबर पर दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले हैं जिनके नाम 619 टेस्ट विकेट हैं। डिविलियर्स ने कहा,'क्या शानदार उपलब्धि है। बधाई अश्विन। आप उन खतरनाक गेंदबाजों में शामिल हो जिनके खिलाफ मैंने खेला है। आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों में शानदार रहे हैं। आप भारतीय टीम की अमूल्य संपत्ति हो। साथ ही कहा कि एक दिग्गज खिलाड़ी होने के बाद भी उन्हें पर्याप्त श्रेय नहीं दिया जाना निराशाजनक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवसारी जिले के जलालपोर तालुका के वांसीबोरसी में 44,216 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं

सूरत। राज्य के दक्षिणी क्षेत्र के विभिन्न जिलों में जनसुविधा और खुशहाली बढ़ाने के लिए नवसारी जिले के जलालपोर तालुका के वानसीबोरसी से 44,216 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा कि जो किसान और महिलाएं हैं। गरीब, युवा, अन्नदाता विकसित भारत के स्तंभ हैं, इसलिए इन्हें सशक्त बनाना हमारी प्रतिबद्धता है। अब देश के गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित वर्ग को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ और विकास का लाभ मिलने की उम्मीद जगी है।

प्रधानमंत्री ने 22,500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना की इकाई-3 और 4 का उद्घाटन किया, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने रु. 10,000 करोड़ रुपये के कार्य, सड़क और भवन विभाग के 2000 करोड़ रुपये के विकास कार्य, भारतीय रेलवे रुपये। 1,100 करोड़ के काम, सूरत नगर निगम, सूडा और ड्रीम सिटी रु. 5,000 करोड़ के कार्य, ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग के 500 करोड़ के कार्य, रु. 300 करोड़, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग रु. 100 करोड़, जलदाय विभाग रु. 500 करोड़, आदिवासी विकास विभाग रू. 100 करोड़, श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग रू. 75 करोड़, गृह विभाग रु. 200 करोड़, नगर विकास एवं शहरी आवास विभाग रू. 900 करोड़, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय रु. 400 करोड़ से ज्यादा के काम मिले और कुल 44,216 रुपए के विकास कार्यों का शुभारंभ हुआ। प्रधानमंत्री ने नवसारी के जलालपोर तालुक के वानसी बोरसी में पीएम मित्र (मेगा टेक्सटाइल पार्क) के निर्माण का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के सपने को साकार करने और अमर संकल्प को साकार करते हुए 44,216 रुपये के विकास कार्यों की सौगात देते हुए विशाल जनसमूह को संबोधित किया और कहा कि हमारी सरकार ने जरूरतमंद लाभार्थियों को 4 करोड़ से ज्यादा पक्के मकान दिये हैं. पिछले दस साल. इसने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था 11वीं से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। सरकार के विभिन्न कार्यों, कार्यक्रमों, योजनाओं, नीतियों और संचालन ने दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा और साख को बढ़ाया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत को देखने और मूल्यांकन करने की दुनिया की धारणा में आमूल-चूल परिवर्तन आया है।

प्रधान मंत्री ने आश्वासन दिया कि 'मोदी की गारंटी गारंटी की पूर्ति की गारंटी हैं' और कहा कि 'मोदी की गारंटी' योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीबों, वंचितों और हकदार लाभार्थियों तक पहुंचने की भी गारंटी है।

``विकसित भारत@2047" के दृष्टिकोण को साकार करने में गुजरात के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के तहत गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण एक सपने के सच होने जैसा था। लेकिन आज, उमरगाम से लेकर अम्बाजी तक के आदिवासी क्षेत्र में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला देखी गई है, जिसमें मेडिकल कॉलेजों की उपलब्धता और आदिवासियों के बीच ऊपर की ओर बदलाव भी शामिल है।

उन्होंने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल से पहले के बिजली संकट को याद करते हुए कहा कि उस समय गुजरात में घंटों बिजली गुल रहती थी. अँधेरे के कारण लोगों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन असंभव को संभव बनाने के लक्ष्य के साथ लगातार की गई कड़ी मेहनत और सकारात्मक नीतियों ने गुजरात को पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचा दिया है और परिणामस्वरुप राज्य में बिजली संकट की समस्या खड़ी हो गई है। अतीत।

प्रधानमंत्री ने भावना व्यक्त की कि गुजरात का विकास विकसित भारत के विकास में योगदान देता रहेगा। नवसारी का दांडी स्मारक, नर्मदा में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसी परियोजनाएं गुजरात के पोते महात्मा गांधी और सरदार पटेल साहब के देश के प्रति योगदान को सच्ची श्रद्धांजलि हैं। । चुकता किया हुआ था।

उन्होंने कहा कि तापी जिले के काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र में आज उद्घाटन किए गए 700-700 मेगावाट के दो नए 'मेड इन इंडिया' रिएक्टर भारत की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी प्रौद्योगिकी की शक्ति-क्षमता का परिणाम हैं।

सूरत के सुवाली समुद्र तट पर दो दिवसीय 'बीच फेस्टिवल-2024' के आयोजन के लिए गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष सांघवी की अध्यक्षता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई

सूरत।

तटीय पर्यटन स्थलों, विभिन्न समुद्र तटों को उजागर करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुजरात पर्यटन निगम और सूरत जिला प्रशासन द्वारा 24 से 25 फरवरी तक सूरत के पास सुवाली के समुद्र तट पर दो दिवसीय समुद्र तट उत्सव का आयोजन किया जाएगा। सूरत सर्किट हाउस में वन, पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल की उपस्थिति और गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सुवाली बीच फेस्टिवल-2024 का आयोजन किया गया है. सुवाली समुद्र तट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने, तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने और बड़ी संख्या में पर्यटकों/आगंतुकों को समुद्र तट का आनंद लेने के लिए, बिक्री स्टॉल धारकों और स्थानीय लोगों को दैनिक रोटी प्रदान करने के लिए, राज्य सरकार और जिला/तालुका प्रशासन ने एक समुद्र तट उत्सव का आयोजन किया है।

24 की शाम को बीच फेस्टिवल में मशहूर लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी अपनी आवाज से लोगों का मनोरंजन करेंगे. शाम 4.30 बजे मंत्रीगण बीच फेस्टिवल का उद्घाटन करेंगे. ऊंट और घुड़सवारी, शिल्प स्टॉल, फूड कोर्ट, फोटो कॉर्नर, स्वदेशी और पारंपरिक खेलों जैसे विशेष आकर्षणों के साथ, पर्यटक समुद्र के किनारे की सुखद सेटिंग में टहलते हुए भोजन और पेय का आनंद ले सकते हैं।

गृह मंत्री ने आगे कहा कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि चोर्यासी के विधायक संदीप भाई देसाई ने परिवहन मंत्री को चोरयासी के नागरिकों को समुद्र तट उत्सव में जाने के साथ-साथ सैर के लिए परिवहन सुविधाएं प्रदान करने के लिए सूचित किया था। सुवाली बीच, सुवाली आज 23 फरवरी को शाम 04ः00 बजे सुवाली बीच पर बीच से अडाजण बस डिपो तक दैनिक बस रूट को विधायक संदीप भाई देसाई हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साथ ही, सूरत नगर निगम की ओर से बीच फेस्टिवल में जाने के लिए शहर के विभिन्न इलाकों से बसों की विशेष व्यवस्था की जाएगी।

इफको वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर (डबल्यू सी एम) 2023 की रिपोर्ट में फिर से शीर्ष स्थान पर

सूरत।

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) कोपुन: दुनिया की शीर्ष 300 सहकारिताओं में पहला स्थान मिला है। यह रैंकिंग प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर कारोबार के अनुपात पर आधारित है। यह दर्शाता है कि इफको राष्ट्र के सकल घरेलू उत्पाद और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इंटरनेशनल कोआपरेटिव एलायंस (ICA) की12वीं वार्षिकवर्ल्ड कोआपरेटिव मॉनीटर (WCM) रिपोर्ट के 2023 संस्करण के अनुसार यह देश के सकल घरेलु उत्पाद एवं आर्थिक विकासमेंइफको के कारोबारीयोगदान को दर्शाता है। कुल कारोबार के मामले में इफको पिछले वित्तीय वर्ष केअपने 97वें स्थान के मुकाबले72वें स्थान पर पहुंच गया है।अपनी 35,500 सदस्य सहकारी समितियों, 25,000 पैक्स और 52,400 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों के साथ इफको'आत्मनिर्भर भारत'और 'आत्मनिर्भर कृषि'की ओर अग्रसर सहकार से समृद्धि का सशक्त उदाहरण है।

इफको ने पिछले कई वर्षों से अपनाशीर्ष स्थान बरकरार रखा है जो इफको और इसके प्रबंधन के सहकारी सिद्धांतों में अटूट भरोसे का प्रमाण है।इसे देश में मजबूत सहकारी आंदोलन के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है, जिसे केंद्र द्वारा सहकारिता मंत्रालय के गठन और श्री अमित शाह जी, माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री,भारत सरकार के कुशल नेतृत्व से गति मिली है। मंत्रालय द्वारा की गई पहल सेअनुकूल माहौल बना है और भारत में सहकारिता आंदोलन को फलने-फूलने में मदद मिली है।

माननीय प्रधानमंत्री के ध्येय "सहकार से समृद्धि" से प्रेरणा लेते हुए और विभिन्न फसलों पर वर्षों की कड़ी मेहनत, अनुसंधान और प्रयोग की बदौलतइफको ने किसानों के लिए दुनिया का पहला नैनो यूरिया और नैनो डीएपी विकसित किया।

इफको नैनो उर्वरकों के साथ-साथ जैव-उर्वरक, सागरिका जैसे जैव-उत्तेजक और कृषि-रसायन आदि के छिड़काव के लिए सहायक उपकरण और स्पेयर के साथ 2,500 कृषि ड्रोन खरीद रहा है। इफको 5000 से अधिक ग्रामीण उद्यमियों को प्रशिक्षण देगा और 2500 कृषि ड्रोन का वितरण करेगा। साथ ही, इफको ग्रामीण स्तर पर योग्य उद्यमियों की पहचान करने में लगा है जिन्हें"प्रमाणिक चालक" के रूप में ड्रोन उड़ाने के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। ये ड्रोन इन ग्रामीण उद्यमियों के प्रशिक्षण के स्थान और कार्यक्रम के अनुसार उपलब्ध कराये जाएंगे।

बीते वर्षों से लगातार शीर्ष स्थान बरकरार रखने की बात पर टिप्पणी करते हुए हैंइफको के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने कहा कि "यह इफको और भारतीय सहकारिता आंदोलन के लिए गौरव का क्षण है। इफको में, हम किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि देश भर

के किसानों का विकास सुनिश्चित हो सके और सहकारिता आंदोलन को मजबूत किया जा सके। हम नवाचार में विश्वास करते हैं क्योंकि यही सफलता की कुंजी है। इस क्रम में हम कृषि क्षेत्र के विकास हेतु नैनो तकनीक आधारित'इफको नैनो यूरिया तरल' से शुरू करते हुए अन्य वैकल्पिक उर्वरक ला रहे हैं। भारतीय किसानों द्वारा 'इफको नैनो यूरिया तरल' का जोरदार स्वागत किया गया है।

पवित्र मंत्रों के साथ भगवान की गरिमा और महिमा की गूंज के साथ हजारों भक्त उमड़ पड़े

सूरत।

वेसू स्थित संयमतीर्थ श्री महाविदेहधाम में जैनाचार्य पू. कुलचंद्रसूरिजी महाराज श्री के सोह्मण सान्निध्य में 900 से अधिक आचार्य भगवंतों, पन्यासजी भगवंतों, श्रमणों एवं श्रमणी शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय एवं दीक्षादानेश्वरी आ. गुणरत्नसूरिजी म. काष्ठमय मंदिरों की पवित्र प्रतिष्ठा हजारों भावुक भक्तों की उपस्थिति में बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। "ओम पुण्य: पुण्य:, प्रियन्तं प्रियन्तं" के पवित्र मंत्रों के साथ भगवान की गरिमा और महिमा की गूंज के साथ हजारों भक्त उमड़ पड़े। प्रतिष्ठा के बाद धर्म सभा का आयोजन किया गया। 6000 से ज्यादा की क्षमता वाला पूरा मंडप खचाखच भरा हुआ था।

मुंबई के प्रसिद्ध वक्ता (एंकर) श्री संजयभाई वखारिया ने सोमवा मंडवा में बिराजित सोमवा श्रावकों और श्राविकाओं की रोंगटे खड़े कर देने वाली गुरुगुण संवेदनाओं के माध्यम से हजारों भक्तों की आंखों से श्रवण-भाद्रव के आंसुओं की वर्षा की। सभी आयोजनों में अनेक समुदायों के आचार्य भागवत एवं श्रमण-श्रमणी भगवंत सम्मिलित हुए। इस शुभ अवसर पर श्री महाविदेह धाम तपागच्छ श्वे. ईसा पूर्व जैन संघ की स्थापना हुई। पू. गच्छाधिपति श्री राजेंद्रसूरिजी महाराज की आज्ञा और आशीर्वाद पू. आ. श्री वेराग्यवारिधि कुलचंद्रसूरिजी महाराज साहेब "सिद्धांत विशारद" और जैन संघों के सुन्दर कार्य के बदले सुश्रावक डॉ. श्री संजयभाई शाह को वैराग्यवारिधि पू. आ. श्री कुलचंद्रसूरिजी महाराज साहब को 'शासनरत्न' की उपाधि से सम्मानित किए जाने पर हजारों श्रद्धालु उत्साह से नाच उठे।

ट्रस्टियों ने इस ग्यारह दिवसीय ऐतिहासिक एवं भव्य आयोजन को सफल बनाने वाले सभी सूत्रधारों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रेस्टीज का अद्भुत वातावरण देखकर पूरे भारत में अत्यंत हर्ष का माहौल था। इस साल का पहला चातुर्मास पन्यासप्रवर गौतमरत्न- विजयाजी म. पन्यास श्री पद्मदर्शन महाराज साहब ने कहा कि आदि श्रमण भगवंत का गुणगान किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत करते मंगरोल तालुका के अकडोद गांव के ग्रामीण

सूरत । केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के इरादे से सूरत के मंगरोल तालुक के अकडोद गांव में भारत संकल्प यात्रा का रथ विकसित हुआ. जहां ग्रामीणों ने संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत किया और विकसित भारत का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे पोषण अभियान, पीएम किसान वय योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, विश्वकर्मा योजना, आयुष्यमान कार्ड, अटल पेंशन योजना, प्राकृतिक खेती की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। केन्द्र एवं राज्य सरकार इस विकसित भारत संकल्प यात्रा के समापन के अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरित किया गया।

इस अवसर पर सरपंच श्री जशुबेन, उपसर पंचश्री इब्राहिम काजी, जल आपूर्ति श्री चैतन्यभाई, तलातिश्री मयंकभाई, प्रधान शिक्षक, ग्राम सदस्य और नेता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कर्मचारी और अन्य विभाग के अधिकारी, ग्राम पंचायत के सदस्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, लाभार्थी उपर्-स्थत थे।

34% महिलाएं कार्य-जीवन संतुलन के कारण कंपनी छोड़ देती हैं, केवल 4% पुरुष - उदैती फाउंडेशन और सीईडीए का अध्ययन, लैंगिक असमानता को उजागर करता है

सूरत ।

उदैती फाउंडेशन (टीयूएफ) ने सेंटर फॉर इकोनॉमिक डेटा एंड एनालिसिस (सीईडीए) के सहयोग से "वीमेन इन इंडिया इंक (डब्ल्यूआईएन) एचआर मैनेजर्स सर्वे रिपोर्ट" का अनावरण किया, जो बयानबाजी के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर दिखाता है। और बयानबाजी। कॉर्पोरेट भारत में लिंग विविधता पहल पर कार्रवाई यह अध्ययन इंडिया इंक. शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था, जिसे गोदरेज डीईआई लैब्स, सेंटर फॉर इकोनॉमिक डेटा एंड एनालिसिस, अशोक यूनिवर्सिटी और दशहरा के साथ साझेदारी में उदैती फाउंडेशन द्वारा क्यूरेट किया गया था।

द उदैती फाउंडेशन की सीईओ पूजा शर्मा गोयल ने कहा, "उदैती में, हम डेटा-समर्थित साक्ष्य और इंडिया इंक के साथ उद्देश्यपूर्ण सहयोग के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक शक्ति और एजेंसी के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वीमेन इन इंडिया इंक समिट एक महत्वपूर्ण मंच है। इसका उद्देश्य उद्योग के नेताओं को बातचीत के लिए एक साथ लाना है जो लैंगिक समावेशी कार्यस्थलों की दिशा में सुई को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। वीमेन इन इंडिया इंक प्रोजेक्ट महिलाओं की भर्ती, प्रतिधारण और उन्नति में बदलाव लाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं और नीति को आकार देने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करता है। वीमेन इन इंडिया इंक अध्ययन ने रोजगार स्पेक्ट्रम में लिंग विविधता नीतियों और प्रथाओं के परिदृश्य को व्यापक रूप से समझने के लिए एफएमसीजी, फार्मा, रिटेल, आईटी और बीएफएसआई सहित क्षेत्रों में 200 वरिष्ठ मानव संसाधन प्रबंधकों का ऑनलाइन सर्वेक्षण किया।

अध्ययन में यह भी बताया गया है कि सराहनीय प्रयासों के बावजूद, जैसे 48% संगठन मिश्रित-लिंग साक्षात्कार पैनल का उपयोग कर रहे हैं और 52% लिंग-तटस्थ नौकरी विवरण का उपयोग कर रहे हैं, लिंग विविधता (30%) के लिए महत्वपूर्ण प्रबंधकों को काम पर रखने के लिए प्रशिक्षण को प्राथमिकता नहीं दी गई है।

नया वन यूआई 6.1 अपडेट गैलेक्सी एआई को अधिक गैलेक्सी उपकरणों में लाता है

गुरुग्राम। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज नए वन यूआई 6.1 अपडेट के माध्यम से अधिक गैलेक्सी उपकरणों पर गैलेक्सी एआई सुविधाओं की उपलब्धता की घोषणा की, जिसे अधिक उपभोक्ताओं तक मोबाइल एआई लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अपडेट गैलेक्सी S23 सीरीज़, S23 FE, Z फोल्ड5, Z Flip5 और Tab S9 सीरीज़ में उपलब्ध होगा और मार्च के अंत से उपलब्ध होगा। हाल ही में लॉन्च की गई गैलेक्सी एस24 श्रृंखला के अनुरूप, यह अपडेट ऑन-डिवाइस और क्लाउड-आधारित एआई को जोड़ता है, जो हाइब्रिड दृष्टिकोण के माध्यम से उपभोक्ता मोबाइल एआई अनुभव के मानक को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में मोबाइल ईएक्सपीरियंस बिजनेस के अध्यक्ष और प्रमुख डीएम रोह ने कहा, "गैलेक्सी एआई के साथ हमारा लक्ष्य मोबाइल एआई के नए युग का नेतृत्व करना है, साथ ही उपभोक्ताओं को एआई को और अधिक सुलभ बनाने के लिए सशक्त बनाना है।" "यह गैलेक्सी एआई की शुरुआत है, क्योंकि हम 2024 में 100 मिलियन से अधिक गैलेक्सी उपभोक्ताओं को यह अनुभव देने की योजना बना रहे हैं और मोबाइल एआई की असीमित संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए नए तरीके अपनाते रहेंगे।"

अधिक गैलेक्सी उपभोक्ता अब गैलेक्सी एआई सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं जो एआई-समर्थित मॉडल पर संचार में सुधार करते हैं। सुविधाओं में संदेश टोन को समायोजित करने, चैट सहायता का उपयोग करके संदेशों को 13 विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करने की क्षमता शामिल है। गैलेक्सी उपयोगकर्ता लाइव ट्रांसलेट के साथ वास्तविक समय की बातचीत की शक्ति का अनुभव कर सकते हैं, जो फोन कॉल के लिए आवाज और पाठ अनुवाद प्रदान करता है। इंटरप्रेटर के साथ उपयोगकर्ता यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों के साथ सहज बातचीत में भी संलग्न हो सकते हैं, क्योंकि स्प्लिट-स्क्रीन सुविधा लाइव बातचीत के लिए टेक्स्ट अनुवाद उत्पन्न करती है।

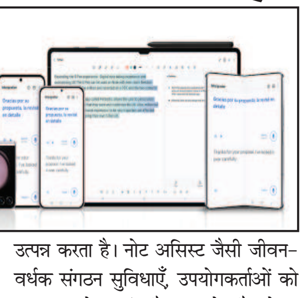

गैलेक्सी पारिस्थितिकी तंत्र में गैलेक्सी एआई का व्यापक एकीकरण एआई-समर्थित मॉडल पर उपभोक्ताओं के लिए रोजमर्रा के कार्यों को सहज बना सकता है, जिससे दक्षता के एक नए स्तर की प्रेरणा मिलती है। सर्कल टू सर्च विद गूगल के साथ खोज कार्यों में सुधार किया गया है, जो त्वरित सर्कल-मोशन जेस्चर के साथ सहज खोज परिणाम उत्पन्न करता है। नोट असिस्ट जैसी जीवन-वर्धक संगठन सुविधाएँ, उपयोगकर्ताओं को प्रारूप बनाने, सारांश तैयार करने और नोट्स का अनुवाद करने में मदद करती हैं, जबकि ब्राउजिंग असिस्ट नए लोगों के व्यापक सारांश तैयार करके गति बनाए रखने में मदद करता है। ट्रांसक्रिप्ट असिस्ट आसानी से मीटिंग रिकॉर्डिंग को ट्रांसक्राइब कर सकता है और सारांश और अनुवाद भी आसानी से तैयार कर सकता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)